जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, गुरुवार 8 सितम्बर, 2022

OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

66 वर्षों का विश्वास

ओसवाल ही है धुलाई के मैदान का
असली चैम्पियन

ज़्यादा सफ़ाई

कपड़ों की देखभाल

कम पानी में धुलाई

त्वचा का पूरा ख़्याल

अखाद्य तेल से बना

बरसों का विश्वास

MercuryDesign.in

नकली माल से सावधान

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद

OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और **ओसवाल एप** डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

ओसवाल सोप ग्रुप | OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए +91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विचार बिन्दु

दुर्भावना को मैं मनुष्य का कलंक समझता हूँ। –महात्मा गाँधी

नई फ़िल्म पर्यटन नीति से किसका भला होगा कोई नहीं जानता

राज्य सरकार ने 'राजस्थान फ़िल्म टूरिज़्म प्रमोशन पॉलिसी 2022' घोषित की है। इस नीति के दो भाग है। पहला तो इस पॉलिसी के शीर्षक वाला भाग तथा दूसरा 'राजस्थानी भाषा में फिल्म निर्माण प्रोत्साहन एवं अनुदान नीति'का भाग। शासन में यही होता आया है कि शासकीय नीतियां लोक प्रतिनिधि नहीं सचिवालय के अधिकारी बनाते हैं। उन्हें बनाने में उन हितधारकों की कोई भूमिका नहीं होती जो इस नीतियों से प्रभावित होने वाले होते हैं। बताया जाता है कि इस फ़िल्म नीति को बनाने के पहले राजस्थान के फ़िल्मकारों को बुलाया कर यह पूछने की औपचारिकता जरूर पूरी की गई कि बताइए आपको इस नीति में क्या चाहिए। कुछ लोगों से कहा गया कि वे अपने सुझाव ई-मेल से भेज दें। कुछ ने भेजे भी। मगर अंत में विभिन्न राज्यों की पॉलिसियों को लेकर कट पेस्ट जैसा कुछ करके इस नीति का प्रारूप बना लिया गया। मगर उसके प्रारूप पर फ़िल्म व्यवसाय और फ़िल्म कला से जुड़े लोगों के साथ कभी कोई संवाद या मंथन नहीं हुआ। मौजूदा राजनीतिक कोलाहल के दौर में सरकार जिस प्रकार रस्म अदायगी कर रहीहै वही इस नीति में भी बयान होता है। इस नीति के अंतर्विरोध तो इसकी प्रचार पुस्तिका के लिए दिये गये मुख्यमंत्री के संदेश से ही सामने आने लगते हैं जिसमें मुख्यमंत्री कहते हैं कि राजस्थान अपनी विशिष्ट भौगोलिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विशेषताओं के कारण देश और दुनिया में विशेष पहचान रखता है। प्रदेश के समृद्ध स्थापत्य कला से युक्त दुर्ग, महल, मंदिर, हवेलियां, स्मारक, जलाशय झीलें बावड़ियां विश्व विख्यात हैं। यहां के नैसर्गिक सौन्दर्य से सरोबार आबू पर्वत, सुनहरी बालू के टीलों से सजा मरुस्थल, और लोक संस्कृति के विविध रूप फिल्म जगत के लिये आकर्षण का केंद्र रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में क्षेत्रीय भाषाओं के साथ हिन्दी और अनेक विदेशी भाषाओं की फ़िल्मों की शूटिंग और उनके प्रदर्शन से राजस्थान की सतरंगी संस्कृति का व्यापक प्रचार प्रसार होता रहा है। जब ऐसा शानदार काम पहले से ही है तब नई नीति की क्या जरूरत आन पड़ी? सच तो यह है कि दो भागों वाली यह नीति संकल्पना के स्तर पर ही स्पष्ट नहीं है। शासन फ़िल्मों के जरिए राजस्थान में पर्यटन को बढ़ा कर कमाने का व्यावसायिक मॉडल चाहता है, या राजस्थानी भाषा, कला और संस्कृति तथा इस भाषा की फ़िल्मों के निर्माण को बढ़ावा देना चाहता है? किसी ने तो यह टिप्पणी तक की है कि पर्यटन के पोषण के लिए कला-संस्कृति का शोषण किया जा रहा है। सरकार का अपना प्रशासनिक अंतर्विरोध भी इस नीति में आ गया है। पहले पर्यटन तथा कला और संस्कृति का एक ही विभाग होता था। फिर सरकार ने विषयों के दो अलग विभाग बना दिये। अब तो दोनों विभागों के मंत्री भी अलग-अलग हैं मगर इन दोनों ही विभागों का प्रशासनिक सचिव एक ही है। ऐसे प्रशासनिक अंतर्विरोधों को न समझ पाने वालों से विषय की गंभीरता की क्या अपेक्षा की जा सकती है!

भले ही अकादमिक दृष्टि से कहा जा सकता है कि पहली राजस्थानी फिल्म 'निज़राणों' 80 बरस पहले 1942 में बनी, परंतु व्यावहारिक दृष्टि से राजस्थानी फिल्म निर्माण की शुरुआत उसके बीस बरस बाद 1961 की 'बाबासा री लाडली' से ही मानी जाएगी। इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस सफलता तथा इसके गानों की धूम से राजस्थानी फिल्म निर्माण की राह तो बन गई मगर वह ऐसे किसी लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी जहां राजस्थानी सिनेमा की अलग पहचान स्थापित हो सकती। राजस्थानी सिनेमा का स्वरूप इस प्रदेश की संस्कृति और भाषा से ही बन सकता है। जितने भी क्षेत्रीय सिनेमा पनपे हैं वे सब अपने क्षेत्रों की भाषा और संस्कृति की मजबूत नींव पर खड़े है। राजस्थानी सिनेमा को बनाने की तो अभी नींव ही नहीं खुदी है। राजस्थानी सिनेमा की इमारत यहां की भाषा और संस्कृति की बुनियाद पर ही खडी हो सकती है। दुर्भाग्य से प्रदेश की संस्कृति शासन में बैठे लोगों की प्राथमिकता में कहीं नहींहै। कला-संस्कृति के नाम पर पर्यटन विभाग जो कुछ करता है वह बाज़ार की ताकतों के जरिए इवेंट प्रबंधन से अधिक कुछ नहीं होता। मंचों पर व प्रदर्शनियों में प्रशासनिक अधिकारियों के मरजीदानों के लटकों-झटकों को ही राजस्थानी कला और संस्कृति मान लिया जाता है। इसी का विद्रूप उदाहरण राजस्थानी भाषा में फिल्म निर्माण प्रोत्साहन एवं अनुदान की इस नीति में भी मिलता है। अनुदान देने के लिए इस नीति में एक फिल्म परीक्षण समिति की व्यवस्था है जो अनुदान के लिए फ़िल्मों का चयन करेगी। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय इस चयन समिति में सिर्फ़ दो गैर सरकारी सदस्य होंगे। नई नीति यह भी कहती है कि राजस्थानी फिल्म निर्माण के विभिन्न विभागों से जुड़े विशेषज्ञों का पैनल अलग से तैयार किया जायेगा तथा जरूरत के मुताबिक पैनल के विशेषज्ञ को फिल्म परीक्षण के लिए बुलाया जायेगा। अब कोई पूछे कि जब राज्य में फिल्म निर्माण की कोई जमीन ही नहीं है तो विशेषज्ञ कहां से आएंगे। नीति का सारा जोर गुणवत्ता वाली राजस्थानी फ़िल्मों पर है और उनकी गुणवत्ता का निर्णय प्रशासनिक अधिकारियों की बहुमत वाली समिति करेगी। सब जानते हैं कि प्रशासन में पहुंच चलती है।

जरूरत है कि ऐसी नीतियां सिनेमा को समझने वाले लोगों को सक्रिय रूप से साथ लेकर बनाई जाय। कोई ऐसी व्यवस्था हो जिसमें निर्माता, निर्देशक, कलाकार, तकनीकी लोग, वितरक और प्रदर्शक आदि फैसला करें और नौकरशाह का काम सिर्फ़ उनके निर्णयों की पालना और उनके क्रियान्वयन का हो। यह मुद्दा सभी हितधारकों के बीच गंभीर संवाद की अपेक्षा रखता है।

नीति कहती है कि सिनेमाघर में फ़िल्म चलनी चाहिये। मगर सिने व्यवसाय वाले कहते हैं कि आज हालत यह है कि राजस्थानी फ़िल्मों को प्रदर्शन के लिए सिनेमाघर नहीं मिलते। सिनेमाघर चलाने वाले कहते हैं कि उन्हें चलाने के जितने खर्चे हैं राजस्थानी फ़िल्में उतनी कमाई नहीं देती। नई नीति में इस प्रमुख समस्या का जिक्र ही नहीं है। सरकार को पिछले काफी समय से यह सुझाव दिया जाता रहा है कि राज्य के प्रत्येक सिनेमाघर को प्रतिवर्ष कुछ निश्चित शो राजस्थानी फ़िल्में प्रदर्शित करने की वैसी कानूनी बाध्यता की जाय जैसी महाराष्ट्र जैसे प्रदेशों में है। केरल में तो सरकार के अपने सिनेमाघर भी हैं जहां केवल वहां की क्षेत्रीय भाषाओं की फ़िल्मों का प्रदर्शन किया जाता है। और देखें, नीति की शर्तें कहती है कि फिल्म 2-के में या 35 एमएम फॉर्मेट में होनी चाहिये। इस नीति को बनाने वालों को कोई बताये कि 35 एमएम फॉर्मेट तो इस डिजिटल युग में कोई अस्तित्व ही नहीं है।चलचित्र अब सेल्यूलॉयड पर नहीं बनते। सारी फिल्में डिजिटल फॉर्मेट में ही बनती है। साथ में नीति शर्त लगाती है कि फिल्म 2-के में बने तभी अनुदान के योग्य होगी। तो आज की तारीख में राजस्थान में इसके सिनेमाघर ही गिने चुने हैं। बड़े मल्टीप्लेक्स के अलावा तो 2-के प्रदर्शन की क्षमता वाले सिनेमाघर है ही नहीं। एक अनोखा पैरा इस नीति में राजस्थानी भाषा की फिल्म को राज्य की जीएसटी की छूट का है। टैक्स मुक्त होने से टिकट दर कम हो जाती है जिससे अधिक दर्शकों के आने को प्रोत्साहन मिलता है। यह नीति कहती है कि यह सुविधा लेने के लिए सिनेमाघर के टिकट के खरीददार से तो जीएसटी की राशि नहीं ली जायेगी मगर फिल्म निर्माता को टैक्स की छूट का लाभ लेने के लिए उतनी राशि सरकार को पहले सरकार में जमा करानी पड़ेगी जो बाद में उसे वापस लौटा दी जायेगी। जिस निर्माता के पास अपनी फिल्म सिनेमाघर में लगाने के पैसे नहीं है वह कैसे एडवांस राशि जमा करा सकेगा यह तो नीति बनाने वाले प्रशासनिक अधिकारी ही जाने।

नीति का एक और अंतर्विरोध देखें कि फ़िल्म पर्यटन नीति में तो डॉक्युमेंट्री फिल्म का जिक्र है मगर उसी के दूसरे भाग राजस्थानी फिल्म प्रोत्साहन नीति में उसका जिक्र नहीं है। डॉक्युमेंट्री फ़िल्मों पर बड़ा खर्च नहीं आता इसलिए इस नीति के पहले भाग के अनुसार दो करोड़ रुपयों के खर्च नहीं होने से वे फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन लाभ से वंचित रह जायेगी। राजस्थानी भाषा की फ़िल्मों के अनुदान वाले दूसरे भाग में तो उनको शामिल ही नहीं किया गया है। इसी प्रकार राजस्थानी शॉर्ट फिल्मों के लिए भी इस नीति में कोई जगह नहीं है। फिल्म पर्यटन नीति कहती है कि इसका लाभ उन फ़िल्मों को मिलेगा जिनकी कुल निर्माण लागत में से दो करोड़ रुपये राजस्थान में खर्च हों। राजस्थानी फिल्में बनाने वाला तो बड़ी मुश्किल से करीब 50 लाख में फिल्म बना पाता है।

जब प्रदेश में राजस्थानी भाषा और संस्कृति का ही कोई धणी-धोरी न हो तब राजस्थानी फ़िल्मों को खाद पानी कहां से मिले। देश में जहां क्षेत्रीय फिल्में अपना ऊंचा रुतबा बनाये हुए हैं वे वो प्रदेश हैं जहां स्कूलों में उनकी भाषा पढ़ाई जाती है। हमारे यहां अंग्रेजी माध्यम की स्कूलें खोली जाती है लेकिन प्रदेश के लोगों की मातृभाषा की बात करने वाला पिछड़ा माना जाता है। शासन में कला-संस्कृति का नाम सिर्फ़ ब्रांडिंग और माल बेचने के लिए लिया जाता है। ऐसे में राजस्थानी सिनेमा दिखाने का या उसके प्रोमोशन के किसी चैनल की तो कल्पना करना ही दूर की बात है। जरूरत है कि ऐसी नीतियां सिनेमा को समझने वाले लोगों को सक्रिय रूप से साथ लेकर बनाई जाय। कोई ऐसी व्यवस्था हो जिसमें निर्माता, निर्देशक, कलाकार, तकनीकी लोग, वितरक और प्रदर्शक आदि फैसला करें और नौकरशाह का काम सिर्फ़ उनके निर्णयों की पालना और उनके क्रियान्वयन का हो। यह मुद्दा सभी हितधारकों के बीच गंभीर संवाद की अपेक्षा रखता है। यह गंभीर संवाद करवाने की शासन की जिम्मेवारी बनती है। किसी ने पूछा है कि क्या कभी कोई राजस्थानी फिल्म 'बाहुबली' या 'आरआरआर' जैसी धूम मचा सकती है? नई नीति से तो ऐसी कल्पना करना बेमानी है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राह भटकता साक्षरता कार्यक्रम

आज 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस है। इसे प्रतिवर्ष पूरे विश्व में मनाया जाता है। आज के दिन सभी लोगों को साक्षर बनाने का लक्ष्य पूरा करने का संकल्प लिया जाता है एवं इस कार्य में नि:स्वार्थ भाव से जुटे साक्षरता कर्मियों को सम्मानित किया जाता है।

गत कुछ वर्षों में साक्षरता की बात तक होना बंद हो गया है। सरकारों ने शायद यह समझ लिया है कि जनता, शत प्रतिशत साक्षर हो चुकी है। वास्तविकता यह है कि देश में अब भी करोड़ों की संख्या में लोग असाक्षर हैं। राजस्थान राज्य में ही इनकी संख्या लगभग 1.50 करोड़ है। इनके लिए यदि कोई कार्यक्रम सुनियोजित रूप से नहीं चलाया गया और इन्हें हाशिए पर ही छोड़ दिया गया, तो आने वाले समय में हम पुन: पुरानी स्थिति में पहुंच जाएंगे। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई है किन्तु राजस्थान का साक्षरता प्रतिशत जो 2001 में 61 प्रतिशत तक पहुंच गया था, वह 2022 में भी 70 प्रतिशत से कम ही है।

कल 7 सितंबर को राजेंद्र जोशी द्वारा लिखित लेख ''साक्षरता कार्यक्रम में कॉपी पेंसिल और प्रवेशिका को स्थान नहीं'' पढ़कर अत्यंत आश्चर्य हुआ और साथ ही दुख भी। विशेषकर इसलिए कि मुझे लगभग सवा 4 वर्ष, जुलाई 1996 से अक्टूबर 2000 तक, निदेशक साक्षरता एवं सतत शिक्षा तथा सचिव राज्य साक्षरता मिशन, के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। इस अवधि में मुझे राज्य के सभी जिलों के शहरों और गांवों में साक्षरता अभियान से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने, साक्षरता कर्मियों के उत्साहवर्धन करने ,पंचायत, तहसील, जिला एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले साक्षरता कर्मियों को सम्मानित करने का मौका मिला। समाज के सभी वर्गों एवं सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर इस अभियान में अपनी आहुति दी। यही कारण था कि पूरे देश में राजस्थान ने साक्षरता के काम में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया। 1991 और 2001 की जनगणना में 23 प्रतिशत अंक की वृद्धि अंकित की जो देश के राज्यों में सबसे अधिक थी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में पहली बार महिला साक्षरता की दर में पुरुषों की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि हुई। राजस्थान को महिला साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पुरस्कार वर्ष 2000 के अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के समारोह में विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर पर दिया गया, जिसे प्राप्त करने का सौभाग्य मुझे मिला। मैं यह सब केवल आत्मा प्रशंसा की दृष्टि से नहीं लिख रहा हूं अपितु पीड़ा की अभिव्यक्ति कर रहा हूं कि जिस कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हुए जोर शोर से पूरे देश में और विशेषकर राजस्थान में लाखों कार्यकर्ताओं ने लागू किया, उसे इतना महत्वहीन बना दिया गया है।

अब कहा जा रहा है कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के बाद अब कागज पर लिखने-पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। केवल कंप्युटर के माध्यम से असाक्षरों को साक्षर बनाने की बात करना हवाई किले बनाने जैसा है। किस प्रकार हम लाखों कार्यकर्ताओं को राज्य में शेष बचे लगभग डेढ़ करोड़ व्यक्तियों को साक्षर बनाने में उपयोग कर पाएंगे? दुर्भाग्य यह है कि इसके संबंधित नीतियां दिल्ली के वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बना ली जाती हैं, बिना धरातल की वास्तविकताओं को ध्यान में रखे। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि आज

राजेन्द्र भाणावत

भा गावा म 24 घट ानबाध रूप स बिजली उपलब्ध नहीं है। क्या सबके पास लैपटॉप, कंप्यूटर या इन्टरनेट वाले स्मार्ट मोबाइल हैं? थोड़ी देर के लिए मान भी लें कि बिना अक्षर ज्ञान के भी मोबाइल काम में लिया जा सकता है, तो क्या हम यह भी मान लें कि अब व्यक्ति को कागज पर कुछ लिखा हुआ पढ़ने अथवा उसके द्वारा लिखने की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है और जो ऐसा न कर पाए, उसे भी हम साक्षर मानना प्रारंभ कर दें?

यह एक वास्तविकता है कि आज भी लाखों की संख्या में बच्चे, बाल श्रम में लगे हुए हैं एवं इसी कारण वे नियमित रूप से विद्यालय जाने में असमर्थ हैं। गत 2 वर्षों की कोरोना की महामारी में तो इस स्थिति को और भी विकट बना दिया है।

सतत शिक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें विभिन्न प्रकार की साक्षरता जैसे वित्तीय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, डिजिटल साक्षरता आदि से जोड़ना था। दुर्भाग्य से, ये सब कार्यक्रम लगभग समाप्त कर दिए गए और इस कार्य में जुड़े प्रेरकों को वर्षों तक भुगतान नहीं हुआ, जिसके कारण उन्होंने काम करना बंद कर दिया जो स्वाभाविक था। कुल मिलाकर इसका खामियाजा तो उन्हीं को उठाना पड़ा जो या तो निरक्षर थे या नव साक्षर बने थे। 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम' 2009 लागू करने के बाद भी विद्यालय से बाहर बच्चे शिक्षा से वंचित ही रहे और बड़े होकर ये निरक्षरों की श्रेणी में सम्मिलित हो गए। यही कारण है कि आज 2001 के बाद 20 वर्ष होने के बावजूद, राजस्थान में निरक्षरों की संख्या बहुत अधिक है।

साक्षरता दिवस के अवसर पर शिक्षा से संबंधित सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं सरकारी अधिकारियों से आग्रह है कि वह पूरे कार्यक्रम की निष्पक्ष समीक्षा करें। तब वे स्वयं ही इसका उत्तर ढूंढ लेंगें कि क्या राजस्थान में बिना कॉपी, पेंसिल और प्रवेशिका के साक्षरता अभियान चलाया जा सकता है? इस पर पुनर्विचार कर आवश्यकता के अनुसार इस में आवश्यक संशोधन करें। यदि केंद्र सरकार इस बारे में कोई कार्यवाही न भी करे तो शिक्षा ,राज्य का विषय होने के नाते, इस सम्बन्ध में राज्य सरकार को पहल करके अपने राज्य के निरक्षर व्यक्तियों के हितों को आगे बढ़ाना चाहिए। इस हेतु एक प्रकार का सकारात्मक वातावरण समाज में बनाने की आवश्यकता है। ग्रामीण पुस्तकालयों को पुनर्जीवित करके, विभिन्न गांव में सतत शिक्षा की अवधारणा के आधार पर केंद्र स्थापित करके, उनके बहुआयामी विकास की व्यवस्था करना तथा साक्षरता को केवल शिक्षा विभाग का कार्य न मानते हुए इसे सरकार का एक प्रमुख दायित्व मानते हुए इसमें सभी विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है

जब बाल श्रम वास्तविकता है तो हम यदि अनौपचारिक शिक्षा न भी चलाएं तब भी यह व्यवस्था करें कि आयु के आधार पर विशेष कैंप लगाकर बच्चों को अपनी आयु के समकक्ष शैक्षिक स्तर तक लेकर आएं। इस कार्य में स्वैच्छिक संस्थाओं की विशेष भूमिका है। आइए, साक्षरता दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनाने का संकल्प लें जिससे पूरे देश में, विशेषकर हमारे राजस्थान में, कोई भी वयस्क या बालक-बालिका शिक्षा के आलोक से वंचित न रहे।

राजेन्द्र भाणावत,
पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी

दो दशक से बंद पड़े हैं देवयानी सरोवर में पानी आवक के प्राकृतिक रास्ते

प्रशासन की अनदेखी के चलते देवयानी सरोवर में भरा पड़ा कचरा।

सांभरझील, (निसं)। अति प्राचीन देवयानी सरोवर में प्राकृतिक पानी के अवरुद्ध रास्त बंद होने से तीर्थ स्थल का प्राकृतिक वजूद काफी कम होता जा रहा है। इसके लिए पूर्व में भी पर्यटन मंत्री व पालिका प्रशासन से लागों ने आग्रह किया पर हालात जस के तस बने हुए हैं।

■ रखरखाव की कमी से तीर्थ स्थल की शोभा पर दाग लगा

जानकारी अनुसार महाभारत एवं अनेक धार्मिक ग्रंथों में वर्णित देवयानी सरोवर के प्राकृतिक रास्ते करीब दो दशकों से भी अधिक समय से बंद हैं। बीते वर्षों में पर्यटन और पुरातत्व विभाग की ओर से इस तीर्थ स्थल के जीर्णोद्धार व रखरखाव के लिए अब तक 50 लाख से अधिक रुपए फूंके जा चुके हैं। इसके बावजूद सरोवर पर बने अनेक मंदिरों कि आभा लौट सकी और न हीं कुंड में जल भराव का स्थाई समाधान निकल सका।

यह बताना जरूरी है कि इस सरोवर को पानी से भरने के लिए दो दफा बारिश के जल को लिफ्टिंग कर इस सरोवर को लबालब किया गया था। जिसमें अनेक भामाशाहो ने उन्मुक्त हाथों से अपना आर्थिक योगदान एवं पालिका प्रशासन की ओर से भी संसाधन उपलब्ध करवाए गए थे तो कुछ संसाधन यहां की काम करने वाली युवा टीम ने अपने स्तर पर जुटाये थे लेकिन स्थानीय प्रशासन व शासन के स्तर पर ऐसी कोई कवायद आज तक देखने को नहीं मिल रही है। इस दिशा में यहां के पुजारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मॉनिटरिंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण यहां होने वाले विकास कार्य मैं कथित रूप से जमकर भ्रष्टाचार हुआ।

इसी संदर्भ में स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र सुरेशचंद्र अग्रवाल, देवयानी स्थित बड के बालाजी मंदिर के पुजारी विवेक शर्मा व विकास शर्मा का कहना है कि सरोवर के अस्तित्व को बचाने के लिए चुने हुए जनप्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका अदा करनी होगी अन्यथा यह पुराणिक तीर्थ स्थल एक दिन इतिहास के पन्नों में ही पढ़ा जाएगा।

बाजरे की फसल में लट का प्रकोप

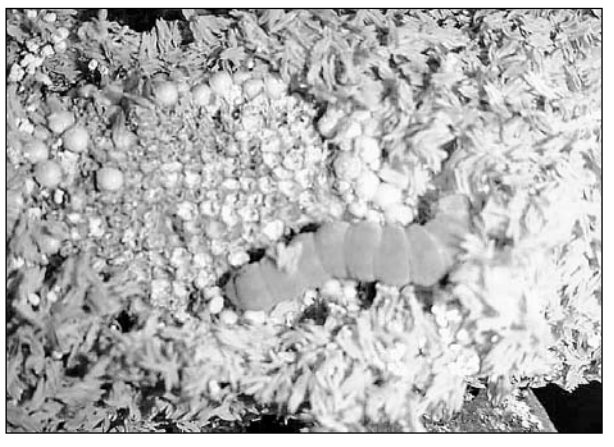

लूणवां क्षेत्र में बाजरे की फसल में लगी लट।

सांभरझील, (निसं)। लूणवां क्षेत्र के आस-पास के खेतों में इन दिनों कुदरत कहर बरफा रही है। लटों का प्रकोप बढ़ने से बाजरे की फसल खराब होने के कगार पर है।

■ 30 से 40 प्रतिशत तक फसल में नुकसान हो गया है

किसान जगदीश जाट ने बताया कि बीस बीघा खेत में बाजरे की फसल बोई हुई है। कही-कही बाजरे की फसल पर चेपा उत्पन्न होने लगा है तो कहीं काली, भूरे व हरे रंग की लटें बाजरें की बालियों को खा रही हैं। किसान भाइयों ने बताया पहले कोरोना की मार, फिर बरसात इंतजार और अब लटों के वार ने किसानों की कमर ही तोड़ दी है। ड्योढी कोढी, शेरपुरा, लूणवा सहित आसपास के समूचे क्षेत्र के खेतों में लटों का प्रकोप दिन व दिन बढ़ता जा रहा है। अब जब फसलें पकने की स्थिति में है तो कई दिनों से मौसम में नमी रहने से लटों और चेपा जैसे रोगों ने चपेट में ले लिया।

लटों का प्रकोप बढ़ने से बाजरे के एक-एक सिट्टे पर तीन से चार लटें देखते ही देखते चट कर रही हैं। जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें उभरना शुरू हो गई हैं।

किसानों की सरकार से लटों के प्रकोप से फसलों को बचाने के उपाय की मांग की है। किसानों ने कहा कि पसीना बहाने के बाद भी कुदरत रूठ रही है किसानों ने कहा कि 15 दिन पहले तक बाजरे की फसल में बंपर पैदावार होने की संभावना थी लेकिन अचानक से लट रोग के लग जाने से पूरी मेहनत पर पानी फिर गया है। जिससे 30 से 40 प्रतिशत तक फसल में नुकसान हो गया है। किसानों ने सरकार से गुहार लगाते हुए खराब हुई फसल का मुआवजा देने की तथा शेष फसल को बचाने के उपाय की मांग की है।

साक्षरता सामाजिक आर्थिक विकास का आधार

किसी देश को तरक्की और विकास के रास्ते पर ले जाने की बुनियाद है

साक्षरता और विकास का निकट का सम्बन्ध है। विश्व में साक्षरता की बात करें तो नार्वे, स्वीडन और फिनलैंड शीर्ष स्थान पर है। इन देशों का विकास भी काफी अच्छा है। 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1965 को सयुक्त राष्ट्र संघ के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन द्वारा की गई।

अगर हम विश्व की साक्षरता की बात करें तो विश्व की साक्षरता 57 प्रतिशत के आस-पास है। विश्व में सबसे ज्यादा साक्षरता नार्वे, स्वीडन, अमेरिका जैसे देश की साक्षरता 95 से 100 प्रतिशत तक है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2022 की थीम ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेस राखी गई है।

देश की कुल आबादी का एक चौथाई तक़रीबन 30 करोड़ लोग आज भी अशिक्षित हैं। भारत की कुल साक्षरता 74.4 प्रतिशत है। जिसमें सबसे ज्यादा साक्षरता वाला राज्य केरल है जहां 93 प्रतिशत जनसंख्या साक्षर है। जिसमें पुरुष साक्षरता 96 प्रतिशत और महिला साक्षरता 92 प्रतिशत है। सबसे कम साक्षरता वाला राज्य बिहार है जिसकी साक्षरता 63.82 प्रतिशत है।

उत्तर प्रदेश भी पाँच सबसे कम राज्यों में शामिल है। इसी कारण विकास की दौड़ में ये प्रदेश अन्य राज्यों के मुकाबले पिछड़े हुए हैं। शिक्षा मानव

डॉ. मोनिका ओझा खत्री

प्रगति का आखरी रास्ता है। साक्षरता पढ़ने और लिखने के लिए भाषा का उपयोग करने की एक क्षमता है।

देश-दुनिया से गरीबी को जड़मूल से हटाने, आबादी के विस्फोट को रोकने के साथ जन जन तक लोक कल्याणकारी कार्यों को पहुँचाने के लिए यह बहुत जरूरी है की प्रत्येक व्यक्ति साक्षर हो। यह किसी देश को तरक्की और विकास के रास्ते पर ले जाने की बुनियाद है।

हम साक्षर व्यक्ति को रोजी रोटी की सुविधा सुलभ करा कर देश से निरक्षरता के अँधेरे को भगा सकते है। हालाँकि केंद्र और राज्य सरकारें विभिन्न स्तरों पर कौशल विकास के कार्यक्रम संचालित कर रही है मगर जब तक ऐसे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे तब तक साक्षरता अभियान को पूर्ण रूप से सफल नहीं माना जा सकता।

साक्षरता लोगों में उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता लाकर सामाजिक विकास का आधार बन सकती है। इसका सामाजिक एवं आर्थिक विकास से गहरा संबंध है। गरीबी उन्मूलन में इसका महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। महिलाओं एवं पुरुषों के बीच समानता के लिए जरूरी है कि महिलाएं भी साक्षर बनें। जीने के लिये खाने की तरह ही साक्षरता भी महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का उद्देश्य व्यक्ति, समुदाय तथा समाज के हर वर्ग को साक्षरता का महत्व बताकर उन्हें साक्षर करना है।

डॉ. मोनिका ओझा खत्री
जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 8 सितम्बर, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, श्रवण नक्षत्र दिन 1:46 तक, अतिगंड योग रात्रि 9:40 तक, कौलव करण दिन 10:34 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:39 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 1:46 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, गोत्रि रात्रि व्रत आरम्भ है। पंचक रात्रि 12:39 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:46 तक, लाभ-अमृत 12:25 से 3:30 तक, शुभ 5:03 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:51

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी और व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को आज और सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले सुसंदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्य में विलम्ब होने का भय रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कुंभ
व्यक्तिगत कार्यों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 40 प्रभात अजमेर, गुरुवार 8 सितम्बर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

नॉर्थ कैरोलाइना के शहर राले में इन दिनों एक असाधारण मेहमान नज़र आ रहा है, जिसे देखने बड़ी तादाद में लोग आ रहे हैं। यहां के डिक्स पार्क में रंग बिरंगी पेंटेड बंटिंग चिड़ियाँ दिखाई पड़ रही हैं। यह बेहद दुर्लभ नज़ारा है क्योंकि ऐसे पक्षी तटवर्ती भागों में ही मिलते हैं। एन.सी. स्टेट युनिवर्सिटी में वाइल्डलाइफ और संरक्षण में पी.एच.डी. कर रही मरे बर्गेस ने कहा कि, हाल ही में जब उन्होंने एक पेंटेड बंटिंग को देखा तो उन्हें अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ, ''वह डिक्स पार्क में यहां- वहां उड़ रही थी और गा रही थी।'' बर्गेस को शत प्रतिशत तो यह नहीं पता कि यह साँग बर्ड यहां क्यों आई है पर उन्हें लगता है कि शायद ग्लोबल वॉर्मिंग इसका कारण हो सकता है। हर वर्ष लाखों साँग बर्ड उत्तरी अमेरिका से दक्षिण के उष्ण कटिबंधीय वनों में जाती हैं, सर्दियां गुजारने, पर इस दौरान वे प्रजनन नहीं करतीं। इस विशेषता को फॉल माइग्रेशन कहते हैं। हालांकि, माइग्रेशन का सीज़न गर्मी के मध्य या लेट समर से शुरु होता है लेकिन, प्रारंभिक प्रवासी पक्षी लो कंट्री (साउथ कैरोलाइना का तटवर्ती भाग) से गुजरने लगते हैं, इनमें शोर बड़र्स व कुछ साँग बड़र्स प्रमुख हैं। नॉर्थ कैरोलाइना में प्रजनन क्षेत्रों की स्थिति खराब होने की वजह से पेंटेड बंटिंग को ''स्पीशीज़ ऑफ कन्सर्न'' माना जाता है। ब्रीडिंग बर्ड सर्वे के अनुसार 1965 के बाद से पेंटेड बंटिंग की आबादी घटी है। पेंटेड बंटिंग कार्डिनल परिवार से हैं और मूलतः उत्तरी अमेरिका में मिलती हैं। इस प्रजाति में केवल नर के ही चमकीले और बहुरंगी पर होते हैं। जन्म से लेकर एक साल तक नर मादा एक जैसे लगते हैं पर जब नर अपने जीवन के दूसरे वर्ष में प्रवेश करते हैं तब उनके पर खूबसूरत और रंग -बिरंगे होने लगते हैं, उसके बाद ही नर व मादा अलग-अलग दिखाई देते हैं। नर पेंटेड बंटिंग को उत्तरी अमेरिका का सर्वाधिक खूबसूरत पक्षी माना जाता है, इसलिए इनको ''लाजवाब'' भी कहा जाता है। हालांकि अपने रंगबिरंगे पंखों से ये पक्षी आसानी से पहचान में आ जाते हैं पर शर्मीले स्वभाव के कारण घने पेड़ों में छुपे रहते हैं और आमतौर पर नजर नहीं आते। प्रजननकाल में अवश्य गाते हुए दिख जाते हैं क्योंकि तब ये गाना गाकर अपने क्षेत्र को चिन्हित करते हैं। प्रजननकाल में नर बहुत सक्रिय हो जाते हैं और मादा को रिझाने के लिए तितली की तरह उड़ते हैं, कभी -कभी तो शरीर को फुला लेते हैं। यही नहीं, प्रजननकाल में कई बार नरों का संघर्ष इतना हिंसक हो जाता है कि एक दूसरे को मार भी डालते हैं।

आयकर विभाग ने गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों पर देश भर में ''रेड'' की

इन्कम टैक्स विभाग इन पार्टियों से आय व खर्च के स्रोतों के बारे में जानकारी मांग रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। आयकर विभाग ने, टैक्स की चोरी के अखिल भारतीय स्तर के जाँच पड़ताल-अभियान के अन्तर्गत, बुधवार को कम से कम 7 राज्यों में छापे मारे। ये छापे ऐसे राजनैतिक दलों पर मारे गये, जो पंजीकृत तो हैं किन्तु मान्यता प्राप्त नहीं है। इस छापे मारी का उद्देश्य उनके संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का पता लगाना हैं।

जिन राज्यों में छापे मारे गये हैं, उनके नाम हैं-महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा तथा दिल्ली।

सूत्रों ने कहा है कि इन्कम टैक्स विभाग ने राजनैतिक दलों तथा उनके प्रमोटरों के खिलाफ एक समन्वित कार्यवाही शुरू की है ताकि उनके आय-व्यय स्त्रोत की जांच की जा सके। उन्होंने बताया कि अवैध साधनों के जरिए राजनीतिक फण्डिंग के कुछ अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही हैं।

- **यह रेड चुनाव आयोग की प्रेरणा से की जा रही है, चुनाव आयोग ने 198 ऐसी राजनीतिक पार्टियों की लिस्ट जारी की है, जिनका उन पतों पर कोई अस्तित्व नजर नहीं आया, जो इन पार्टियों ने अपने ''लैटर हैड'' पर छापे हुए हैं।**
- **चुनाव आयोग ने यह भी घोषणा की, कि, वह 2100 ऐसी पार्टियों के खिलाफ कार्यवाही करने वाला है, जो पंजीकृत तो हैं, पर मान्यता प्राप्त नहीं। ये राजनीतिक पार्टियां चुनाव से संबंधित कानूनों की पूर्णतया अवहेलना कर रही हैं, जैसे न तो धन का विवरण पेश कर रही हैं कि, उन्हें कहां से कितना-कितना धन प्राप्त होता है और न ही अपने पते व पदाधिकारियों के नाम अपडेट करती हैं। कई ऐसी राजनीतिक पार्टियां गंभीर वित्तीय अनियमितता में लिप्त भी हैं।**
- **चुनाव आयोग ने यह भी निर्णय लिया है कि, इन राजनीतिक दलों से वे सुविधाएं वापस ली जायेंगी, जैसे कि चुनाव चिन्ह, जो उन्हें ''सिम्बल ऑर्डर'' (1968) के तहत प्राप्त हैं।**
- **चुनाव आयोग ने अपनी रिपोर्ट वित्त विभाग व जांच एजेंसियों को भी भेजी है, और जांच व दण्डनीय कार्यवाही करने के लिये।**
- **जैसा कि विदित ही है, देश में 2800 ऐसी राजनीतिक पार्टियां हैं, जो पंजीकृत तो हैं, पर मान्यता प्राप्त नहीं।**

समझा जाता है कि यह औचक कार्रवाई चुनाव आयोग द्वारा हाल ही की गई सिफारिश के आधार पर की गई हैं। आयोग ने भौतिक सत्यापन के दौरान हाल ही में कम से कम 198 संस्थानों को अस्तित्वहीन पाया था। उसने इसके बाद इन संस्थाओं को अपनी सूची में से अधिकारिक रूप से हटा दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बहुप्रतिष्ठित ''थिंक टैंक'' सी.पी.आर. पर भी आयकर विभाग के छापे

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। स्वतंत्र सोच रखने वालों एवं बुद्धिजीवियों के समुदाय को एक स्पष्ट संदेश देते हुए आयकर विभाग ने आज दिल्ली स्थित सार्वजनिक नीति के स्वतंत्र थिंकटैंक सैन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सी.पी.आर.) पर छापा मारा।

सूत्रों के अनुसार जांच कार्यवाही हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात व अन्य स्थलों पर एक साथ मारे गए छापों से संबंधित है। ये छापे 20 से अधिक ऐसी पार्टियों की फण्डिंग को लेकर मारे गए हैं जो पंजीकृत किन्तु गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं।

सी.पी.आर. ने अभी अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है क्योंकि उसके संचालक मण्डल के अधिकांश सदस्यों से सम्पर्क नहीं हो पा रहा हैं।

वर्ष 1973 में संस्थापित सी.पी.आर. स्वयं को गैर पक्षपाती और स्वतंत्र संस्थान बताता है, जो ऐसे अनुसंधानों को समर्पित है जिनमें भारत के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों के बारे में अधिक ओजस्वी जन लेखन, बेहतर नीतियों और उच्च गुणवत्ता की विद्वता का समावेश होता है।

- **जाने-माने विचारक व शिक्षाविद् प्रताप भानु मेहता, इस संस्था के हैड रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरण व आई.आई.एम. के प्रोफेसर रामा बीजापुरकर भी इस संस्था निदेशक मण्डल के सदस्य हैं।**
- **थिंक टैंक का कहना है कि, वह कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से अनुदान प्राप्त करता है तथा उसके सारे अकाउन्ट्स व वित्तीय लेखा-जोखा, उसकी वैबसाइट पर भी उपलब्ध है।**

प्रासंगिक प्रश्न करना इसके प्रमुख लक्ष्यों में से एक हैं। यह एक ऐसा नैशनल सोशल साइंस इंस्टीट्यूट है, जिसे इण्डियन काउन्सिल ऑफ सोशल साईस रिसर्च से मान्यता प्राप्त हैं। सी.पी.आर. देश के सामाजिक राजनीतिक मुद्दों पर अनुसंधान करने के बाद उन्हें प्रकाशित करता रहा हैं।

सूत्रों ने जानकारी दी कि 10 से अधिक अधिकारियों की एक टीम सी.पी.आर. ऑफिस के भीतर है और खाता बहियों की विशेष रूप से जांच कर रही है। टीम वहां दोपहर करीब पंहुची और उसकी जांच चल रही हैं। भाजपा सरकार के कट्टर आलोचक एवं शिक्षाविद् प्रताप भानु मेहता कभी इसके अध्यक्ष थे। वर्तमान में सी.पी.आर. संचालक बोर्ड की अध्यक्ष मीनाक्षी गोपीनाथ हैं। वह एक राजनीतिक विज्ञानी हैं, जो जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में शिक्षक रहने के अलावा दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज में प्रिंसिपल रही हैं। यामिनी अय्यर इसकी प्रैसिडैण्ट एवं मुख्य कार्यकारी हैं। सी.पी.आर. के संचालक मण्डल सदस्यों में पूर्व विदेश सचिव श्याम सरण और आई.आई.एम. प्रोफैसर रमा बिजापुरकर शामिल हैं।

अपनी फण्डिंग को लेकर यह थिंकटैंक अपनी वैबसाइट में कहता है कि वह भारत सरकार द्वारा नॉट-फोर प्रोफिट संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त है और उसे मिलने वाले अंशदान आयकर से मुक्त हैं।

वैबसाइट में कहा गया है कि ''सी.पी.आर. को विभिन्न घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्त्रोतों से अनुदान मिलता है जिनमें फाउण्डेशन्स, कॉरपोरेट मानवतावादी, सरकारें और विविध एजेन्सियां शामिल हैं।'' थिंक टैंक का कहना है कि ''उसके वार्षिक वित्त एवं अनुदानों का पूरा लेखा-जोखा वैबसाइट पर उपलब्ध हैं।

स्वतंत्र थिंक टैंक पर छापे की कार्रवाई या तो एक संयोग है या उस छापे का समय ऐसे दिन चुना गया, जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत करते वक्त कहा है कि संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा है।

सी.पी.आर. मोदी सरकार के कई कदमों और नीतियों की आलोचना करता रहा है। उसकी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता है। देश का शिक्षित समुदाय उसके प्रकाशनों और अनुसंधान लेखों को गंभीरता से लेता रहा हैं।

'मक्खन बाजी'

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। गांधी परिवार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने बिल्कुल नज़दीक, अपनी बगल में ही, रखे हुये हैं तथा ''भारत जोड़ो यात्रा'' के शुभारम्भ के अवसर पर, कन्याकुमारी में वे खासतौर से राहुल गांधी के साथ ही दिखाई दे रहे थे।

- **कन्याकुमारी में भारत जोड़ो यात्रा के शुभारम्भ के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की तारीफ में सभी हदें पार कीं, पर क्या यह मक्खन बाजी उन्हें बचा पाएगी।**

गहलोत को प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने की जिम्मेदारी दे दी गई, जहाँ उन्होंने राहुल गांधी की प्रशंसा के पुल बाँधने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे बार-बार माँग किये जा रहे थे कि राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहिये तथा वे एवं गांधी परिवार मिलकर पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस/चीन व अमेरिका के तनाव व मतभेदों के मध्य भारत के लिए अपनी नाव खेना और कठिन होगा?

भारत के लिये सिरदर्द बनी शी व पुतिन के बीच वन-टू-वन मुलाकात उज़बेकिस्तान में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। भारत के सामने एक गंभीर कूटनीतिक चुनौती आ रही है क्योंकि चीन नियंत्रित संगठन शंघाई को ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.) की वजह से चीन के राष्ट्रप्रमुख शी जिनपिंग और रुस के प्रमुख व्लादिमीर पुतिन के एक साथ आने और बातचीत करने की संभावना बढ़ रही है। एस.सी.ओ. का शिखर सम्मेलन 15 से 16 सितम्बर के बीच उज़्बेकिस्तान की राजधानी में होगा।

शी एवं पुतिन की यह मुलाकात अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम ओर दो ''लिमिटलैस'' मित्रों रुस व चीन के बढ़ते टकराव के कारण महत्वपूर्ण है। रुस की न्यूज एजेंसी तास ने दोनों नेताओं की मुलाकात की घोषणा की है।

- **शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन (एस.ओ.सी.) के समारोह में प्रस्तावित इस मुलाकात से भारत चौकन्ना इसलिये है कि, चीन में आयोजित ''विन्टर ओलंपिक'' के पहले भी शी व पुतिन के बीच वन-टू-वन मुलाकात हुई थी और दोनों ने अपार ''सीमा रहित'' दोस्ती का वादा किया था एक दूसरे से।**
- **क्या शी व पुतिन ऐसी कोई नयी व गहरी दोस्ती का ताजा इज़हार तो नहीं करेंगे, एस.ओ.सी. सम्मेलन में।**
- **चीन लगातार भारत की सीमा पर तनाव बनाये हुए है तथा हिन्द महासागर में नये-नये समझौते कर, ''नेवल बेस'' बनाकर भारत को घेरने का प्रयास और तेज करता जा रहा है।**

भारत के लिए परेशानी की बात यह है कि पाकिस्तान भी एस.सी.ओ. का सदस्य है। रुस की न्यूज़ एजेंसी तास इन दिनों रुस के निरंकुश शासक पुतिन का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश ने मौर्य का नाम चलाया

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। बिहार में अत्यन्त तीव्र गति से हुये राजनैतिक बदलाव ने विपक्षी नेताओं को एक नई ऊर्जा प्रदान कर दी हैं। इन नेताओं में

- **जैसा कि विदित है कि, अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य को प्रलोभन दिया है कि, अगर वे अपने साथ 100 विधायक ले आएं तो उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि, अखिलेश इस कदम से योगी-शाह के मतभेदों का लाभ उठाना चाहते हैं।**

समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव भी शामिल हैं, जिन्होंने योगी आदित्यनाथ के स्थान पर भाजपा नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के दबाव में डी.एम.के. को अपना कार्टून वापस लेना पड़ा

पर, क्या भाजपा का हिन्दूवादी एजेण्डा, ''क्लिक'' करेगा तमिलनाडू में?

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। जैसा होता आया है, भाजपा सदैव ही राजनैतिक तापमान बढ़ाने के मौकों की तलाश में रहती है, खासतौर से ऐसे राज्यों में, जहाँ वह प्रवेश करना या अपना विस्तार करना चाहती है। और तमिलनाडु ऐसा ही राज्य है। लेकिन बुधवार को डी.एम.के. (द्रमुक) ने भाजपा को एक मुद्दा थमा दिया, जिसका पूरा-पूरा अनुचित लाभ लेने की कोशिश उसने शुरू कर दी है।

डी.एम.के. की आई.टी. विंग के प्रमुख टी.आर.बी. राजा, जो वरिष्ठ डी.एम.के. नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री टी.आर. बालू के पुत्र हैं, ने हिन्दुत्व-विचारक वीर सावरकर का एक व्यंग्य चित्र (कैरिकेचर) ट्विटर पर पोस्ट कर दिया, जिसके खिलाफ दक्षिणपंथी तंत्र ने तत्काल ही निन्दा-अभियान छेड़ दिया। और भी खास बात यह हुई कि राजा के खिलाफ नफरत फैलाने के आरोप लगाये जाने लगे। राज्य के भाजपा नेता अमर प्रसाद रेड्डी ने कहा कि राजा के ट्वीट में वीर सावरकर को एक कौए पर सवार दिखाया गया है, जो हिन्दू देवता, भगवान महाविष्णु का मुकाबला कर रहा है तथा इस प्रकार हिन्दू-भावनाएं आहत हुई हैं।

- **इस बारे में राजनीतिक दलों व गंभीर राजनीतिक विचारकों में मतैक्यता नहीं है।**
- **पुराना परम्परागत सोच तो यह है कि, दक्षिण भारत में भाजपा का ब्राह्मण परस्त फॉर्मूला सदा की तरह फेल होगा, क्योंकि, वहां जनता जाति आधारित राजनीति व पार्टी की ''आइडिऑलजी'' से ही प्रेरित होती है तथा हिन्दुत्व व हिन्दूवाद का नारा सफल नहीं होगा।**
- **दूसरा मत यह है कि, हिन्दी विरोधी भावना कमजोर पड़ी है समय के साथ-साथ तथा एक परिवार पर आधारित डी.एम.के. का मॉडल भी पुराना हो गया, जिसका समय बीत गया है, अतः भाजपा का सोच इतना बेवकूफी पूर्ण निर्णय नहीं है।**

रेड्डी ने कहा कि पुलिस ने डी.एम.के. आई.टी. प्रकोष्ठ-प्रमुख तथा विधायक राजा की इस पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है। इस शिकायत को दर्ज कराने वाले, तमिलनाडु भाजपा के सचिव एस.जी. सूर्या ने कहा कि इस ट्वीट से शान्ति भंग हो सकती है। राजा ने लोगों की नाराजगी के कारण बने इस ट्वीट को डिलीट भी कर दिया था।

लेकिन इस ट्वीट को डिलीट कर देने का भाजपा पर कोई असर नहीं हुआ है। भाजपा कह रही है कि राजा हिन्दू देवताओं का उपहास करने का अपराध बार-बार करते हैं। भाजपा ने डी.एम.के. पर कड़ा प्रहार करते हुये, उसे हिन्दू विरोधी बताया।

साफ बात यह है कि भाजपा ने आक्रामक मुद्रा अपना ली है तथा वह डी.एम.के. को मात देने के लिये अपनी सुविधानुसार किसी भी मुद्दे को काम में ले सकती है। उसने तमिलनाडु, जो इस हिन्दुत्व-समर्थक पार्टी का पक्षधर नहीं रहा है, में लोगों की सोच पर और ज्यादा कब्जा करने की कोशिश की है। वस्तुतः भाजपा ने प्रमुख विपक्षी दल ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्ना द्रमुक) जो पहले ही अंदरूनी लड़ाई में उलझी हुई है, के साथ मिलकर विपक्ष की भूमिका ग्रहण कर ली है।

लेकिन क्या तमिलनाडु जो एक औद्योगिक, प्रगतिशील तथा समृद्ध राज्य है, में भाजपा की आक्रामक हिन्दुत्व राजनीति कारगर रहेगी। तमिलनाडु सदैव ही दो द्रविड़ दलों में से किसी एक का विश्वास करता आया है।

राजनैतिक विश्लेषकों को इस समय राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंधुआ मजदूरों का मजाक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट की दो जजों वाली बैंच के जस्टिस हेमन्त गुप्ता ने जम्मू तथा कश्मीर के ईंट भट्टों से मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों के शोषण को लेकर दायर किए गए एक केस की बुधवार को मज़ाक किया।

- **सुप्रीम कोर्ट में बंधुआ मजदूरों के एक केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि, बंधुआ मजदूर असल में बंधुआ नहीं हैं, वे पैसे ले लेते हैं और काम बीच में छोड़कर भाग जाते हैं।**

याचिकाकर्ता के वकील द्वारा यह निवेदन करने के बावजूद कि कई बंधुआ मजदूर यौन उत्पीड़न तक के शिकार हुए हैं, और 10 वर्ष बाद भी उन्हें कोई पैसा नहीं दिया गया है, जस्टिस गुप्ता ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षा विभाग में पहले ट्रांसफर, अब संशोधन

जिन प्रिंसिपल और लेक्चरर को दूरस्थ गांवों में भेजा, वो फिर शहर और आस-पास के गांवों में पदस्थापित

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा सत्र शुरू हुए तीसरा महीना शुरू हो गया लेकिन शिक्षा विभाग है कि अब तक प्रिंसिपल और लेक्चरर के ट्रांसफर और संशोधन में ही व्यस्त है। पिछले दिनों जिन प्रिंसिपल और लेक्चरर के ट्रांसफर किए गए थे, उनमें सौ से ज्यादा के तबादले या तो निरस्त हो गए, या फिर शहर के निकटस्थ स्कूलों में लगा दिया गया। मजे की बात है कि इनमें अधिकांश संशोधन खुद शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के गृह जिले में किए गए हैं, जबकि इक्का दुक्का अन्य जिलों के हैं।

प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से जिन अधिकारियों को लंबे जमाव के बाद अन्यत्र स्कूलों में स्थानान्तरित किया गया था, उनमें अधिकांश के ट्रांसफर वापस हो गए हैं। इनमें शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक रहे अजय गोदारा, डॉ. जगदीश प्रसाद, डॉ. राकेश कुमार, मनीष कस्वां, मृदुला चौधरी, रामचंद्र घिंटाला का ट्रांसफर ग्रामीण विद्यालयों में किया गया था। इनमें रामचंद्र घिंटाला जहां वापस शिक्षा निदेशालय में स्थानान्तरित हो गए हैं, वहीं शेष को बीकानेर शहर के नजदीकी उदयरामसर, गीगासर, नापासर, बदरासर, सेरुणा में पदस्थापित कर दिए गए हैं। वहीं घिंटाला को प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय में पदस्थापित किया गया है। वहीं लेक्चरर में भी भंवर लाल को निदेशालय से रणजीतपुरा भेजा गया था, जिनका तबादला अब सवीदय बस्ती हो गया है। यहां पहले से कार्यरत जगदीश चंद्र टाक का तबादला जालवाली किया गया है। सतपाल गोदारा को स्पोर्ट्स स्कूल से लूणकरनसर भेजा गया, उनका तबादला अब देशनोक हो गया। दुर्गाराम को निदेशालय से कोलायत स्थानान्तरित किया गया। इनका तबादला भी अब नागौर कर दिया गया है। देवीकुंड सागर में कार्यरत लेक्चरर जैसाराम का ट्रांसफर निरस्त हो गया है। इसी तरह प्रियंका का ट्रांसफर देवीकुंड सागर किया था, उन्हें उदासर भेज दिया है।

चौपड़ा स्कूल से लक्ष्मीनारायण का ट्रांसफर कोलायत किया गया था, जिन्हें अब गजनेर भेजा गया है। वहीं ओमप्रकाश सारण का ट्रांसफर भी निरस्त कर दिया है। यहां से शिव कुमार कुम्हार को अब श्रीरामसर स्कूल भेजा गया है। सुजानदेसर से स्थानान्तरित रामकुमार को अब चानी के बजाय पवनपुरी कॉलोनी में स्थानान्तरित किया है। बीकानेर में पिछले एक सप्ताह में आधा दर्जन स्कूल्स में तालेबंदी हो चुकी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्कूल्स में विरोध हो रहा है। यहां से लेक्चरर व टीचर्स के ट्रांसफर शहरी क्षेत्रों में हो गए, उनकी जगह जिनको लगाया गया, वो अब तक आए नहीं है। नतीजतन दो महीने बाद भी पढ़ाई नहीं हो रही है।

नकली नोट छपाई के तार पंजाब के लुधियाना से जुड़े

लुधियाना से दूसरा युवक भी गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। जिले में नकली नोट छापने और छपाई के लिए सामग्री तैयार करने के मामले में बीकानेर पुलिस ने पंजाब के लुधियाना से भी एक युवक को गिरफ्तार किया है। दरअसल, छपाई के लिए हाई प्रोफाइल कागज व प्रिंटिंग सामग्री लुधियाना से ही बीकानेर भेजी जा रही थी। पुलिस को उम्मीद है कि नकली नोट छपाई मामले में कुछ और युवकों की भूमिका है। दो महीने में ही ये दूसरा अवसर है जब बीकानेर में बड़ी मात्रा में नकली नोट छापने का खुलासा हुआ है।

जयनारायण व्यास कॉलोनी पुलिस ने बज्जू खालसा के मनोज बिश्नोई को गिरफ्तार किया था। मनोज से 29 हजार 600 रुपए के नकली नोट बरामद किए गए। उससे सख्त पूछताछ के दौरान पता चला कि नोट छापने के लिए हाई प्रोफाइल कागज, सिक्योरिटी थ्रेड की

■ **थ्रेड भी असली नोट जैसा ही है**

सप्लाई उसे पंजाब के लुधियाना से हो रही है। जिस समय मनोज को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थी, उसी वक्त लुधियाना के कुलदीप का नाम सामने आया था। स्पेशल टीम के सदस्य मनोज शर्मा सहित कुछ पुलिस कर्मियों ने लुधियाना पहुंचकर कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया। अब उसके ठिकानों की छानबीन की जा रही है।

इन नकली नोटों में एक सिक्योरिटी थ्रेड भी लगाया जाता है। इसे देखकर भी बीकानेर पुलिस दंग है। दरअसल, ये थ्रेड भी असली नोट जैसा ही है। आरबीआई की ओर से छपने वाले नोट्स में जो थ्रेड लगती है, ये फर्जी थ्रेड भी कमोबेश एक जैसी है। बताया जा रहा है कि ये थ्रेड भी लुधियाना से ही तैयार होकर आई है। ये भी सामने आया है कि नोट एक साथ छापने के बजाय अलग -अलग जगह छप रहे हैं। कहीं कागज पर महात्मा गांधी का वाटरमार्क लगाया जा रहा है, तो कहीं पर सिक्योरिटी थ्रेड लगाया जा रहा है। इस तरह का कागज उपयोग में लिया जा रहा है कि एक कागज पर चार नोट प्रिंट हो सकें। इन कागजों पर दो सौ और पांच सौ रुपए के नकली नोट छापे जा रहे हैं।

इससे पहले बीकानेर के वृंदावन एनक्लेव और नोखा के गांव में नकली नोट छापने का गिरोह पकड़ा गया था। तब कलर प्रिंट के माध्यम से नोट छापने का पता चला था। तब भी दो सौ और पांच रुपए के नोट ही बरामद किए गए थे। ये राशि करीब 15 लाख रुपए के आसपास थी। अब करीब तीस हजार रुपए के फर्जी नोट मिले हैं जबकि बड़ी संख्या में कागज मिले हैं, जिन पर नोट छपने थे।

40 सालों से घर बनाकर रह रहे 50 नट परिवारों को घर छोड़ने का फरमान

घर खाली नहीं करने पर मकान तोड़ने की धमकी, विरोध में उतरे लोग

अलवर, (निसं)। किशनगढ़बास के बंबोरा गांव में करीब 40 साल से रह रहे 50 परिवारों को अचानक सरकारी जमीन पर बने उनके घर खाली करने के फरमान मिलने के बाद उनके सामने मुश्किल आ गई है। इसके विरोध में बुधवार को ब्रजभूमि कल्याण परिषद और घुमंतू विभाग की ओर से आशियाना बचाने और जमीन प्लॉट आवंटित कर मुआवजा देने की मांग को लेकर विवेकानंद चौक से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाल ज्ञापन दिया।

ब्रजभूमि कल्याण परिषद जिला अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने कहा कि यह सही है कि जिस जमीन पर नट परिवार बसें है वह सरकारी है लेकिन 40 सालों से घर बनाकर रह रहे हैं, वहां पर मंदिर भी बना हुआ है। बोरिंग व सरकारी नल

■ **सरकारी नल, बिजली कनेक्शन हैं व राशन कार्ड मौजूद**

है। बिजली कनेक्शन व राशन कार्ड बने हैं। पिछले दिनों वहां तारबंदी कर दी गई, कह दिया कि जगह खाली करें, अब यहां स्टेडियम बनेगा। सरकारी कर्मचारी व अधिकारी आकर नट परिवारों को धमकाने में लगे हैं। इन घुमंतू व नट समाज के लोगों को इस तरह बेघर नहीं किया जा सकता। सरकार को पहले इनके रहने का इंतजाम करना होगा। मुआवजा व पट्टा दिया जाए। इनको 57 गज जमीन पाने का हक है।

डॉ. गुप्ता ने अधिकारियों को ज्ञापन देते हुए कहा कि घुमंतू परिवार के लोगों को बसाना पड़ेगा। ये लोग यूं ही सड़कों पर कब तक परेशान रहेंगे। जब एक जगह कई दशक से रह रहे हैं तो इनको वहीं पर प्लाट आवंटित कर देने चाहिए। ताकि ये अपना गुजारा कर सकें।

अब इन परिवारों के घरों को तोड़ने की बराबर धमकी मिलने लगी है। कुछ लोगों से खाली पन्नों पर साइन करवा लिए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी जावली और ब्रजभूमि कल्याण परिषद के डॉक्टर पंकज गुप्ता ने मामले को संज्ञान में लिया और वहां रह रहे वासियों को विश्वास दिलाया कि क्षेत्र में उन्हें कोई भी दरबदर नहीं कर पाएगा। सरकार ने कोई एक्शन लिया तो बडा आंदोलन करेंगे । इस दौरान लखमीचंद, रुस्तम सिंह, लाखन सिंह, आजाद सिंह, मदन सिंह, बाबूलाल, सतीश आदि उपस्थित थे।

सहायक आचार्य हिंदी साक्षात्कार तिथि जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को सहायक आचार्य हिंदी (कॉलेज शिक्षा विभाग) 2020 के पदों की साक्षात्कार तिथि जारी की गई। निर्धारित कार्यक्रमानुसार 19 सितंबर से 30 सितंबर तक साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

आयोग सचिव अटल ने कहा कि जिन अभ्यथिर्यों ने विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन-पत्र साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें। विस्तृत आवेदन-पत्र को आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। साक्षात्कार में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थी अपने समस्त मूल-प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति अवश्य साथ लाएं। इनके अभाव में अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा जारी कोरोना गाइडलाइन की पालना भी करनी होगी।

पुलिस ने दो जगह पर अवैध रेता के खिलाफ की कार्रवाई

धौलपुर, (निस)। धौलपुर शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने मोरोली मोड़ के पास 2 जगह पर अवैध बजरी का स्टॉक जब्त किया है। दोनों जगह पर मिले अवैध चंबल बजरी के स्टॉक को पुलिस ने ट्रॉली में भरवाकर वन विभाग को सौंप दिया है।

कोतवाली, निहालगंज और सदर थाना के साथ ट्रैफिक पुलिस ने मोरोली मोड़ पर पुराने पीएनसी ऑफिस के पास 2 अलग-अलग जगह संयुक्त कार्रवाई की। यहां बजरी का स्टॉक मिलने पर वन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस की टीम बजरी के स्टॉक को जब्त कर माफिया को चिह्नित करने में जुट गई है।

कोतवाली थाना प्रभारी अध्यात्म गौतम ने बताया कि एसपी के निर्देश पर सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा और निहालगंज पुलिस की टीम के साथ ट्रैफिक पुलिस को लेकर अवैध बजरी के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान

धौलपुर शहर पुलिस ने मोरोली मोड़ के पास से अवैध बजरी स्टॉक को भरकर वन विभाग को सौंपा।

एक जगह पर पुलिस को 10 ट्रॉली अवैध चंबल बजरी मिली तो दूसरी जगह पर 70 से अधिक ट्रॉली बजरी का स्टॉक मिला। ऐसे में पुलिस ने दोनों जगह पर वन विभाग की टीम को बुला लिया। वहीं बजरी का स्टॉक करने वाले माफिया को चिह्नित किया जा रहा है, जिनके खिलाफ थाने में नामजद मामला दर्ज किया जाएगा।

चार हजार से अधिक गिद्धों का आश्रय स्थल है गिद्ध संरक्षण क्षेत्र जोहड़बीड

बीकानेर, (कासं)। जोहड़ बीड़ राजस्थान का प्रसिद्ध गिद्ध संरक्षण क्षेत्र है। जहां देशी जाति के साथ-साथ विदेशी प्रजातियों के गिद्ध बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं । करीब लगभग 226 हैक्टेयर क्षेत्र में फैला यह संरक्षण क्षेत्र गिद्धों का प्राकृतिक आवास है। प्रशासन द्वारा सम्पूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा के लिए चारदिवारी एवं चेनलिंक फेसिंग की गई है ।

पिछले लगभग 50 वर्षों से यहां पर निगम ठेकेदार द्वारा मृत पशु खुले में डाले जाते हैं। ठेकेदार मृत पशु की चमड़ी, आंते, चर्बी एवं हड्डियों को निकाल कर सूखने के लिये छोड़ देता है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में समय लगता है। आयुक्त नगर निगम बीकानेर के अनुसार लम्पी से मृत पशुओं को सुजानदेसर, करमीसर एवं नाल क्षेत्र में समुचित दफनाया जा रहा है।

■ **यहां पर 8 प्रजाति के गिद्ध रिर्पोटेड हैं तथा कुछ गिद्ध यहां के अब रेजिडेंट हो गये हैं**

जोहड़बीड़ में गैर लम्पी मृत पशु डाले जा रहे हैं। जहां यह एक माह तक खुले में रहते हैं ताकि इनके अवशेषों को गिद्ध व रेप्टर्स खा सकें और हड्डियां सूख कर उपयोग में लेने लायक हो सके। इस क्षेत्र में काफी संख्या में कुत्ते भी मौजूद हैं। ये भी इन मृत पशुओं को खाते हैं। यहां पर 8 प्रजाति के गिद्ध रिर्पोटेड हैं तथा कुछ गिद्ध यहां के अब रेजिडेंट हो गये हैं। वर्तमान में यहा पर लगभग 4000 गिद्ध सम्पूर्ण क्षेत्र में मौजूद है। गिद्धों प्रकृति का सफाई कर्मी माना गया हैं।

टायर फटा, टैम्पो पलटने से आठ घायल

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ़-सालासर सडक मार्ग पर मींगणा के पास टायर फटने से लोडिंग टैम्पो पलट गया, जिससे उसमें सवार दो बच्चों सहित आठ जने घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार रूणिचा लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शन कर

■ **सुजानगढ़-सालासर सडक मार्ग पर मींगणा के पास घटी घटना, हादसे में दो बच्चे भी घायल हो गए**

हिसार लौटते समय हादसा होने से हिसार के नंगथला निवासी राजबाला पत्नी रामसिंह, संतोष पत्नी खेताराम, बाला पत्नी गुलाब, सुमन पत्नी कालूराम, महेंद्रा देवी पत्नी महावीर, कमल पुत्र ओमप्रकाश, हर्ष पुत्र खेताराम, कृष्ण पुत्र रामावतार सभी जाति सुथार घायल हो गए। जिन्हे टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार ने राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल पंहूचाया। जहां पर चिकित्सकों ने घायलों का उपचार किया।

नावां में भाजपा नेता व व्यवसायी जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन

प्रदर्शन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुए

जयपुर, (कासं)। नागौर के नावां में भाजपा नेता व व्यवसायी जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर धरना-प्रदर्शन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुये । डॉ. पूनियां ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि, राजस्थान में रोज औसतन 07 हत्या होती हैं, 18 दुष्कर्म, अब तक 7 लाख मुकदमे राजस्थान की धरती पर दर्ज हो गए। जब तक जमीन में गर्मी पैदा नहीं करोगे तक तक जयपाल पूनिया जैसे लोगों को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि कई बार राख जब चिंगारी बनती है तो उसमें सत्ता का तानाशाही सिंहासन भी जल कर राख हो जाता है।

पूनिया ने कहा कि मैं आपको भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हरीश का पसीना इस सरकार के ताबूत में अंतिम कील साबित होगा, इस शुरूआत में आगाज का अंजाम भाजपा का कार्यकर्ता लिखेगा । पूनिया ने कहा कि पूछता हूँ कि कि राजस्थान का गृहमंत्री मौन क्यों है, मौन इसलिए है वो जयपाल सरीखे कितने ही लोगों की हत्या का जिम्मेदार है, जन सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल हैं। जिन किसानों की कर्जामाफी का वादा किया था, ऐसे 60 लाख किसान, 1 लाख 20 हजार करोड का कर्जामाफी का इंतजार कर रहे हैं। जयपाल को तो बदमाशों ने मारा लेकिन श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर में ठाकरी गांव का सोहनलाल कडेल जिसने आत्महत्या करते हुए लाइव वीडियो जारी कर कहा कांग्रेस सरकार के छलावे के कारण आत्महत्या कर रहा हूं, जिसके जिम्मेदार राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं।

राजस्थान के 9 हजार किसान जिनकी जमीनें नीलाम हो गई, दर्जनों किसानों ने आत्महत्या कर ली। एम्बुलेंस के बाहर एक पीड़िता रोटी मांग रही थी, रोटी नहीं मिली और उसकी अस्मत लूट ली गई। नावां के जयपाल की दिनदहाड़े हत्य साबित करती है कि अपराधियों को पूरा भरोसा है और आम जनता इतनी भयभीत है कि किसी पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए घर से बाहर निकलने में भी डर है। करौली से लेकर जोधपुर तक लगातार एक सिलसिला है, जिसमें वोट बैंक की, तुष्टिकरण की राजनीति के नाम पर इस प्रदेश के बहुसंख्यकों के हितों की अनदेखी व उन पर चोट करने की अनदेखी हुई है। नावां की इस घटना के बारे में पहला फोन पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी ने मुझे किया, विधायक नारायण बेनीवाल व भाजपा के सभी

■ **'जब तक जमीन में गर्मी पैदा नहीं करोगे तक तक जयपाल पूनिया जैसे लोगों को न्याय नहीं मिलेगा'**

■ **राजस्थान के गृहमंत्री मौन, वे जयपाल सरीखे कितने ही लोगों की हत्या के जिम्मेदार : डॉ. पूनियां**

कार्यकर्ता जनता की आवाज बनकर यहां मौजूद हैं।

जनता के हक की लड़ाई एक विचार के लोग जब धरातल पर मजबूती से लड़ते हैं तो सत्ता के पाये हिलते हैं। विधायक रूपाराम, मानसिंह व गजेन्द्र सहित तमाम लोग मजबूती से बैठे हैं। भाई जयपाल को न्याय दिलाने का संकल्प है और अगर 24 घंटे में अपराधी नहीं पकड़े गए तो नावां से तो आगाज हुआ है, राजस्थान की जनता इसको अंजाम में बदलेगी और इस अन्याय का बदला लेगी। पूनिया ने कहा कि राजस्थान में अस्पताल बीमार हो गए , स्कूल लाचार हो गए।

पिछले तीन साल में राजस्थान की जनता के साथ बड़ा अन्याय हुआ है। झालावाड़ का कृष्णा बाल्मीकि भी न्याय मांगता है, अलवर का हरीश जाटव भी न्याय मांगता है, एक लंबी फेहरिस्त है जिनको भीड़ में मार दिया, जो बदमाशों की गोलियों का शिकार हो गए ।। एक विधायक के पुत्र पर जब गैंगरेप का आरोप लगता है तो सरकार की नीयत देखो उस विधायक के दबाव में मुख्यमंत्री के इशारे पर 300 साल पुराना भगवान शिव मंदिर तोड़ दिया जाता है। पूनिया ने कहा कि मैं 90 से राजनीति में हूं, राजस्थान में इस तरह की अराजक, भ्रष्ट, नकारा, निक्कमी सरकार नहीं देखी। जिस प्रकार रीट में चीट हुई, इनके मंत्री व नेता एक्सपोज हो गए जनता की अदालत में । कैसे पर्चा लीक हुआ, 1 हजार करोड़ से भी ज्यादा का लेन देन हुआ, रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच हो जाए तो सरकार में बैठे बड़े लोग भी जेल जाएंगे।

जब किसान व नौजवान उठ खड़ा होगा, उस दिन इस कांग्रेस सरकार का वो आखिरी दिन होगा और वह आखिरी दिन 2023 में होगा। भाजपा जयपाल के परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी मजबूती के साथ खड़ी है, अंतिम घड़ी तक साथ है।

जनता सेना नेता ताहेरअली का निधन

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर नगर पालिका के पूर्व पार्षद एवं जनता सेना के वरिष्ठ नेता ताहेरअली बोहरा का बुधवार को बीमारी के चलते अहमदाबाद के निजी चिकित्सालय में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सूनने के बाद जनता सेना, बोहरा समाज सहित पूरे नगर में शोक की लहर छा गई। बोहरा के निधन पर जनता सेना संरक्षक व पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर ने भी उनके साथ जुडी यादों को साझा करते हुए शोक व्यक्त किया।

भीण्डर निवासी ताहेरअली बोहरा कुछ समय पहले बीमार हो गये थे, जिस पर इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया गया। वहां पिछले 28 दिनों से एक निजी चिकित्सालय में इलाज जारी था लेकिन कोई सुधार नहीं हो रहा था। बुधवार रात्रि को तबीयत ज्यादा खराब हुई और निधन हो गया। जिसके बाद परिजन उनका शव लेकर भीण्डर पहुंचे और बुधवार सुबह भीण्डर में बोहरा समाज के कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। ताहेरअली अपने पीछे परिवार में पत्नी, दो पुत्र, एक पुत्री को छोड करके गये। रणधीरसिंह भीण्डर, पूर्व विधायक वल्लभनगर ने शोक जताते हुए कहा कि मुझे और मेरे परिवार को उनकी मौत का बहुत दुख है।

खैरथल में पहाड़ी वाले हनुमान जी के मेले में डेढ़ सौ कुश्तियां हुई

प्रमुख कामड़ा कुश्ती 31 हजार रूपये की हुई

खैरथल, (निसं)। पहाड़ी पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में वार्षिक मेले में आस्था का जनसैलाब उमड़ा । मेले में मल्लयुद्ध में राजस्थान सहित हरियाणा और यूपी दिल्ली के जाने-माने अखाड़ों से पहलवानों ने ज़ोर आजमाइश की।

मेले में क्षेत्रीय विधायक दीपचंद खैरिया मुख्य अतिथि रहे। मेला कमेटी अध्यक्ष लालचंद रोघा ने बताया कि हनुमान मंदिर के महंत भजंगिरी, दिगम्बर किशनगिरि, महंत केशवगिरी एवं संत रामदास पुजारी के सानिध्य में पूजा अर्चना, भजन कीर्तन एवं कुश्ती दंगल हुए । प्रात: 9 बजे हवन यज्ञ में आहुतियों के साथ शुरू हुआ मेला देर रात तक पूरी रंगत में रहा । थानाधिकारी भगवान सहाय शर्मा के नेतृत्व में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

मेला कमेटी अध्यक्ष लालचंद रोघा ने बताया कि कुश्ती दंगल में छोटी - बड़ी कुल 151 कुश्तियों का अयोजन किया गया। जिसमें मुख्य कामडा कुश्ती 31 हजार रुपये का थी। अतिथि विधायक दीपचंद खेरिया, पूज्य सिन्धी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा, डीसीसी उपाध्यक्ष गिरीश डाटा, आदि ने व्यवस्थओं को बनाये रखा। इस मौके पर खैरथल कस्बे सहित आस-पास के सैकड़ों लोगों ने मेले में सैकड़ों की संख्या में दुकानें भी लगी।

कुश्ती दंगल में पहलवानों के हाथ मिलवाकर शुभारंभ करते विधायक दीपचंद खैरिया एवं अतिथि।

कार की चपेट से दो युवकों की मौत

नदबई, (निस)। आगरा जयपुर हाईवे पर देर रात विनऊआ मोड़ समीप कार की चपेट से सड़क किनारें खड़े दो युवक की मौत हो गई। जबकि, तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर लखनपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जबकि, मृतक युवकों के शव को जिला चिकित्सालय के मुर्द्घाघर में रखवाया।

बाद में बुधवार सुबह पुलिस ने दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस सूत्रों के अनुसार गांधी नगर जिला सादरा दिल्ली निवासी वीरेन्द्र महतो पुत्र भोला अपने साथियों के साथ निजी गाडी में बालाजी से दर्शन कर लौट रहा था । देर रात कार चालक को यात्रा से थकान होने पर युवक राष्ट्रीय राजमार्ग पर विनऊआ मोड के समीप कार से उतरकर सड़क के किनारे खड़े होकर आराम करने लगे। इसी दौरान तेज गति से दूसरी कार ने सड़क किनारे खड़े युवकों में टक्कर मार दी। जिसके चलते वीरेन्द्र महतो व सुनील कुमार पुत्र किसून सूरी की मौके पर मौत हो गई। जबकि, संजय मेहता पुत्र शिवाजी मेहता, राजेश कुमार पुत्र रवि माथुर व रणधीर महासेठ पुत्र किशोरी महासेठ गंभीर रूप से घायल हो गए।

धनखड़ के फार्म हाऊस के पास लगाया बड़ा पांडाल

चिड़ावा, (निसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पद संभालने के बाद पहली बार अपने गांव किठाना आ रहे हैं। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। गांव में धनखड के फ़ार्म हाऊस में जहां प्रत्येक व्यवस्था की जानकारी जगदीप धनखड के भाई रणदीप ले रहे हैं। उन्होंने एडीएम जगदीश प्रसाद गौड़ को फ़ार्म हाऊस पर वी आई पी मूवमेंट की जानकारी दी। वहीं फ़ार्म हाऊस के बिल्कुल पास ही बड़ा पांडाल लगाया गया है। जिसमें करीब 500 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। यहीं पर धनखड का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा और धनखड़ यहां लोगों को सम्बोधित भी करेंगे। धनखड़ का दोपहर का भोजन भी फ़ार्म हाऊस पर ही होगा।

ऐसे में धनखड़ के फ़ार्म हाऊस की विशेष सुरक्षा रहेगी। बिना पास किसी भी कार्यक्रम में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इधर धनखड़ गांव आने के बाद सबसे पहले जोड़िया बालाजी और ठाकुर जी के प्राचीन मंदिर भी जाएंगे। दोनों स्थानों पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। अलग-अलग अधिकारियों की ड्यूटी सभी मूवमेंट पॉइंट्स पर लगाई गई है। जोड़िया

■ **पुलिस के जवान हर 100 कदम की दूरी पर तैनात रहेंगे**

बालाजी मंदिर परिसर में मंदिर परिसर में बंदरवार व फर्रिया लगवाकर विशेष सजावट की गई है। उपराष्ट्रपति की एस्कोर्ट गाड़ियों ने आज दिनभर सभी स्थलों तक गाड़ियों के साथ पूर्वाभ्यास किया। हैलीपेड स्थल के आस-पास इलाके पर वायुसेना विशेष निगरानी रखेंगी। ऊंचाई वाले स्थानों पर झंडे लगाए गए हैं। वहीं अस्पताल की बिल्डिंग पर वायुसेना का विशेष निगरानी दस्ता तैनात रहेगा।

पुलिस के जवान हर 100 कदम की दूरी पर तैनात रहेंगे। उपराष्ट्रपति की बचपन से ही जोडिया बालाजी में विशेष आस्था रही है। वे हमेशा गांव आते है तो बालाजी मंदिर में अवश्य आ जाते है। इधर धनखड़ ठाकुर जी के मंदिर जाएंगे। इस मंदिर में भी केवल पुजारी ही मौजूद रहेंगे और यहां भी प्रशासन का पुख्ता जबता तैनात रहेगा। धनखड़ दोपहर में सालासर और खाटू के लिए रवाना होंगे। ऐसे में गांव में सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हैं।

देवनानी ने अल्पसंख्यक छात्रावास का विरोध किया, आंदोलन की चेतावनी

■ एडीए आयुक्त से की मुलाकात, कलेक्टर को फोन कर नाराजगी जताई

अजमेर, (कासं)। अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने हरिभाऊ उपाध्याय नगर में अल्पसंख्यक छात्रावास का विरोध किया है। उन्होंने अजमेर जिला प्रशासन को चेतावनी दी कि हरिभाऊ उपाध्याय नगर में छात्रावास खोला गया तो आंदोलन किया जाएगा। प्रशासन किसी और स्थान पर छात्रावास खोले। पूर्व में भी यहां छात्रावास खोलने के प्रस्ताव का विरोध कर इसे स्थगित करवाया गया था। अब प्रशासन पुनः प्रयास कर रहा है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हरीभाऊ उपाध्याय नगर में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए छात्रावास खोले जाने के प्रयास के विरोध में विधायक देवनानी ने बुधवार को एडीए आयुक्त अक्षय गोदारा से मुलाकात की। उन्होंने जिला कलैक्टर अंशदीप को भी फोन कर नाराजगी जताई। देवनानी ने जिला कलेक्टर एवं आयुक्त,अजमेर विकास प्राधिकरण को ज्ञापन देकर हरिभाउ उपाध्याय नगर मुख्य सी-ब्लॉक के आवासीय क्षेत्र में अल्पसंख्यक छात्रावास हेतु आवंटित भूमि को निरस्त कर पूर्व के निणर्य को यथावत रखते हुए पट्टा जारी नहीं किए जाने का आग्रह किया है

देवनानी ने आयुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण से मुलाकात कर सौंपे ज्ञापन में कहा कि हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य सी ब्लॉक में अल्पसंख्यक छात्रावास निर्माण करने हेतु भूमि आंवटन करने की कार्यवाही की जा रही है । यह प्रयास सत्र 2014 में भी किया गया था । मैनें पूर्व में भी यह मुद्दा उठाया गया था । फलस्वरूप अल्पसंख्यक छात्रावास भूमि आवंटन को निरस्त किया गया जिसका उलेख अजमेर विकास प्राधिकरण की कार्यालय की नोटशीट पर उपलब्ध है।

देवनानी ने कहा कि हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य सी ब्लॉक में छात्रावास हेतु आवंटित भूमि को निरस्त करने तथा वैकल्पिक जमीन आवंटन करने का निर्णय 15 जनवरी 2014 को सक्षम स्तर से लिया गया था। इसके उपरान्त भी 8 वर्ष बाद पुनः अल्पसंख्यक छात्रावास निर्माण हेतु भूमि आवंटन निरस्तीकरण के निणर्य के विपरित भूमि आवंटन की कार्यवाही किया जाना न्यायोचित नहीं है जबकि न्यास मानचित्र के अनुसार संपूर्ण क्षेत्र पूर्णतया आवासीय के लिए सुरक्षित किया गया है।

देवनानी ने कहा कि सी ब्लॉक एवं हरिभाऊ नगर विस्तार योजना में अधिकांश मकानों का निर्माण हो चुका है तथा विवादित स्थल के भी चारों ओर आवासीय मकानों का निर्माण हो चुका है। ऐसी स्थिति में आबादी के बीचो-बीच छात्रावास का निर्माण होने से क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी होगी। वर्तमान में क्षेत्रवासी ऊची कीमतों पर प्लाट खरीद कर आवास का निर्माण कर चुके हैं। देवनानी ने कहा कि अजमेर विकास प्राधिकरण के पूर्व में लिये गये निर्णय को यथावत रखते हुए अन्यत्र स्थान पर छात्रावास के लिए भूमि का आवंटन किया जाए अन्यथा आंदोलन किया जाएगा।

राज. शूटिंग बाल गर्ल्स टीम ने दिल्ली टीम को हराया

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। नेशनल सब जूनियर शूटिंग बॉल टूर्नामेंट मे राजस्थान की गर्ल्स टीम ने दिल्ली टीम को सीधे सेटों में हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बोधगया बिहार से किशनगढ पहुंचने पर विजेता टीम का सुभाष क्लब ग्राउंड में स्वागत किया गया। इस दौरान शूटिंग बॉल संघ संरक्षक कैलाश अंकल, सुभाष क्लब सचिव अशोक अगरवाल, कोषाध्यक्ष गोपाल यादव, वरिष्ठ खिलाडी रशीद, पप्पू ठेकेदार, भागचंद लखन, सुखपाल चौधरी, मजीद, शाहरुख, इमरान, शेरू, मोहम्मद शम्मी, अजीज मोहम्मद, शबाना खान, सृष्टि जोरम, पिंकी नागालिया, मुस्कान कांठेड, ज्योति राव, निकिता नरूका, प्रेरणा राठौड, पूजा खंगारोत, पार्षद घन्नालाल यादव, अजीज मोहम्मद, एडवोकेट मोहम्मद याकूब आदि खिलाडी मौजूद रहे।

राजस्थान टीम को तीसरी रैंक मिलने पर प्रदेश सचिव डॉ. ओपी माचरा, उपाध्यक्ष इंदुराज शर्मा, प्रवक्ता भूपेंद्र त्यागी, जिलाध्यक्ष शक्की मोहम्मद ने हर्ष व्यक्त किया। राजस्थान बॉयज टीम मे शामिल किशनगढ के दो बालकों ने भी सेकंड पोजीशन हासिल कर सुभाष क्लब का नाम रोशन किया।

सूचना केंद्र बचाओ संघर्ष समिति को अनेक संगठनों का समर्थन

■ परिसर में अन्य विभाग का संचालन हुआ तो होगा आंदोलन

■ आंदोलन को अनेक संगठनों ने समर्थन देकर हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया

अजमेर, (कासं)। सूचना केन्द्र में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के बिना कराये गये कार्यों एंव अनेक उपयोगी भवनों को ध्वस्त करने के विरोध में चलाये जा रहे आंदोलन को अनेक संगठनों ने समर्थन देकर हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया है।

संयोजक करण सिंह ने बताया कि अनेक सामाजिक, कर्मचारी संगठनों सहित अनेक पत्रकारों ने जिनका वर्षो से सूचना केन्द्र से सीधा जुडाव है वे सभी इस आंदोलन को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से अपना समर्थन दे रहे है। मुख्य रूप से शहर के वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र चौहान, महावीर सिंह चौहान, रतनलाल बाकोलिया, नवीन शर्मा सहित प्रगतिशील राजपूत समाज, अखिल भारतीय कायस्थ समाज, हिन्द सेवा दल, श्री नारायणी ग्रामीण सेन समाज, आधुनिक नाट्य कला संस्थान, सेवानिवृत राज्य कर्मचारी संयुक्त समिति, सहायक कर्मचारी संघ, कलाकार संघ, रावत समाज सहित सेवानिवृत सूचना एंव जनसम्पर्क अधिकारी मोहन सिंह टॉक ने भी समर्थन देते हुए अनाधिकृत निर्माण कायी की जॉच की मांग की है। उन्होने आशंका जताइ कि कुछ प्रभागशाली व्यक्तियों के दबाव में आकर सूचना केन्द्र में अनाधिकृत निर्माण कार्य कराये जा रहे है।

उपसंयोजक मदन सिंह पंवार, राजेन्द्र प्रसाद माथुर, एंव रामसिंह रावत ने बताया की आंदोलन के दौरान जिला कलेक्टर सहित मुख्यमंत्री, प्रदेश के आला अधिकारियों स्थानीय जनप्रतिनीधियों को भी ज्ञापन की प्रति भेजकर सूचना केन्द्र के स्वामित्व, पहचान एंव गरिमा को बनाये रखने के लिए सम्पूर्ण प्रकरण की जॉच में सहयोग करने का अनुरोध किया है। सिंह ने बताया कि यदि परिसर में अन्य किसी भी विभाग के कार्यालय का निमार्ण एंव संचालन किया जाता है तो संगठन कारगर ढंग से अपना विरोध व्यक्त करेंगे। इसके बावजूद यदि किसी प्रकार की जॉच नही की जाती है तो संगठन द्वारा आगामी माह में आंदोलन को और तेज किया जायेगा।

न्यायालय अपर जिला जज, सं0 1 ब्यावर
उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र संख्या 21/2022
श्रीमति सपना शर्मा व अन्य बनाम आमजन

प्रार्थीगण श्रीमति सपना शर्मा व सुश्री प्रज्ञा शर्मा व श्री प्रत्युश शर्मा निवासी बोहरा कॉलोनी ब्यावर द्वारा स्व. श्री पवन शर्मा के नाम से, भारतीय स्टेट बैंक के यहाँ जमा रकम के संबंध में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि जिस किसी भी व्यक्ति को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने बाबत् कोई आपत्ति हो व/या अन्य कोई व्यक्ति इस संबध में हक अधिकार रखता हो। इस न्यायालय के समक्ष 13-9-22 दिनांक को प्रातः 10 बजे स्वयं व/या अधिवक्ता के जरिये उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकता हैं। किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त दिनांक तक आपत्ति नहीं किये जाने पर न्यायालय द्वारा प्रार्थी के प्रार्थनापत्र पर विधि अनुसार कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।
यह आज दिनांक 31.08.22 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया है।

आज्ञा द्वारा
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश
सं. 1, ब्यावर (जिला अजमेर)

विवाद्यको के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी ब्यावर
राजस्व वाद संख्या 96 सन् 2017
राजस्व विविध प्रकरण संख्या 78 सन् 2017
श्री कंवरसिंह व अन्य बनाम
श्री तिलोकसिंह व अन्य

प्रेषिती
श्री भूपेन्दसिंह पुत्र श्री लक्ष्मणसिंह आयु बालिग जाति रावत निवासी- ग्राम नरबदखेड़ा, तहसील ब्यावर जिला अजमेर (राज.)।

वादी/प्रार्थी ने आपके विरूद्ध राजस्व ग्राम सिंघाडिया, पटवार क्षेत्र नरबदखेड़ा, तहसील ब्यावर के खसरा नम्बर 161 के संबंध में घोषणा व निषेधाज्ञा हेतु वाद व प्रार्थना पत्र संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 19.09.2022 को प्रातः 10 बजे वाद व प्रार्थनापत्र का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हों और जो इस वाद/प्रार्थना पत्र से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन ऐसी सभी दस्तावेज, जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

यह आज दिनांक 22/08/2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया है।
उपखण्ड अधि. एवं सहायक कलक्टर ब्यावर

'स्वस्थ्य शरीर के लिए शुद्ध हवा जरूरी'

अजमेर, (कासं)। लायंस कूब अजमेर पृथ्वीराज द्वारा अंतरराष्ट्रीय शुद्ध वायु दिवस पर बुधवार को वैशालीनगर स्थित वीर उद्यान में 'स्वच्छ हवा सबके लिए' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कूब अध्यक्ष लायन गजेंद्र पंचोली ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत की डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन आभा गांधी एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ भरत छबलानी थे। इस अवसर पर डॉ छबलानी ने कहा कि शुद्ध हवा स्वस्थ शरीर के लिए बहुत जरूरी है। कार्यक्रम संयोजक लायंस मार्केटिंग के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेन्द्र गांधी ने बताया कि इस अवसर पर पौधारोपण एवम पर्यावरण सरंक्षण के लिए संकल्प लिया गया। वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्य योजना पर आमजन को जागरूक किया गया। इस अवसर पर डॉ अशोक मित्तल, डॉ श्याम भूतड़ा, डॉ सत्येन्द्र भार्गव, डॉ एसएन मंत्री, डॉ माया छबलानी, योग चिकित्सक डॉ दौलतराम थडानी, जे एम बछावत, वेद प्रकाश, प्रेमवती, लायन राजेन्द्र गांधी, सुनीता एवं क्षेत्रवासी सहित अन्य उपस्थित थे।

लायंस क्लब क्लासिक लंपी ग्रसित गोवंश के लिए निःशुल्क दवा बांटेगा

लायंस क्लब बिजयनगर क्लासिक के पदाधिकारियों ने गोवंश के लिए निशुल्क दवा की व्यवस्था की।

बिजयनगर, (निसं)। लायंस क्लब क्लासिक बिजयनगर के तत्वावधान में सामाजिक सरोकार से जुड़े सेवा कार्यों के साथ-साथ जीव दया के भाव को प्राथमिकता देते हुए गोवंश में फैल रही लंपी वायरस की रोकथाम के लिए क्लब द्वारा 75 हजार रूपये की दवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण करने का लक्ष्य रखा गया।

लायंस क्लासिक के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर दिलीप तोषनीवाल का मिशन सोच बदलो जीवन बदल जाएगा को साकार करने के उद्देश्य के तहत लायंस क्लब क्लासिक द्वारा गोवंश में फैल रहे लंपी स्कीन वायरस की रोकथाम तथा गोवंश को बचाने के लिए हर संभव प्रयास के लिए संकल्पित है। इस मौके पर कूब अध्यक्ष लॉयन आशीष सांड ने बताया कि गोवंश को लंपी रोग से बचाने के लिए जन जागरूकता लाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में पंपलेट वितरित किए गए हैं।

रोग ग्रस्त गोवंश को अलग बाड़ा बनाकर आइसोलेट करने, स्वस्थ गोवंश को अलग रखने के साथ-साथ चिकित्सकों की सहायता से उपचार करवाए जाने की व्यवस्था की जा रही है। लायंस कूब बिजयनगर कूास के अध्यक्ष आशीष सांड, लायंस कूब, सम्भागिय अध्यक्ष लॉयन दीपक माहेश्वरी, कूब सचीव ज्ञानचन्द प्रजापत, संजय महावार, अभिषेक बड़जात्या, कूब कोषाध्यक्ष सौरभ नागोरी, लॉयन अभिषेक राका लॉयन सौरभ भंडारी, लॉयन अरिहंत लोढा, लायन लोकेश रांका लॉयन राहुल बाबेल सहित सदस्य पदाधिकारी सेवा की इस मुहिम में शामिल हुए।

एमएसएमई बस यात्रियों का स्वागत

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। देश में एमएसएमई को विकसित करने के उद्देश्य से आईसीएआई एमएसएमई सेतु यात्रा किशनगढ पहुंची। एवरसाइन मार्बल पर स्वागत बस यात्रियों का स्वागत किया गया। एसबीआई बैंक ने मकराना रोड पर पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। रैली मकराना चौराहा होते हुए टाक पेट्रोल पंप से पहाडिया चौराहा होकर क्रिस्टल पार्क के पीछे स्थित सीए शाखा पहुंची। शाखा अध्यक्ष सीए मोहित जैन ने बताया कि लघु उद्योग मंत्रालय के सहयोग से द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से 18 अगस्त से शुरू यात्रा देश के 22 राज्यों से होते हुए 14 हजार किलोमीटर का सफर तय करेगी। कार्यक्रम में निशुल्क उद्यम रजिस्ट्रेशन एमएसएमई की जिला सब्सिडी स्कीम और ब्याज में छूट संबंधी जानकारी दी गई। इस दौरान लघु भारती अध्यक्ष दीपक शर्मा, मुकेश अगरवाल, शशि कुमार, सुदीप्ता सहित सीए मालचंद गर्ग, प्रवीण जैन, आशीष गुप्ता, मुकुल गर्ग, जुगल राठी, अमित अगरवाल, अनिरुद्ध बियानी, राधिका अजमेरा, राजीव इनानी, साकेत कालानी एवं अन्य सीए सदस्य मौजूद रहे। संचालन सिकासा अध्यक्ष सीए अखिलेश शर्मा ने किया।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स ओसवाल एंटरप्राइजेज, पता प्लाट नं. 24, पवन स्टोन होम प्राइवेट लिमिटेड के सामने, हरमाड़ा रोड, किशनगढ़ , जिला अजमेर (राज.) 305801 जो कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स के यह जरिये रजिस्ट्रेशन नंबर RF/AJM/2021/240 दिनांक 21/01/2021 से पंजीकृत है , यह फर्म साझेदारी विलेख दिनांक 02/01/2021 से संचालित है। यह फर्म साझेदारी विलेख द्वारा दो साझेदारो के द्वारा संचालित थी जिनका लाभ व हानि का हिस्सा निम्नुसार था:-

1. रजत मेहता (हिस्सा 50 प्रतिशत) 2. मुकेश चौधरी (हिस्सा 50 प्रतिशत)

अतः दिनांक 01/07/2022 को निष्पादित प्रवेश साझेदारी विलेख अनुसार फर्म में एक साझेदार प्रवेश किया है जो केतन चौधरी पुत्र मुकेश चौधरी जो तीसरा साझेदार है। अतः इस साझेदारी प्रवेश विलेख द्वारा उपरोक्त फर्म में वर्तमान साझेदारो का लाभ व हानि निम्नुसार हो गया है:-

1. रजत मेहता (हिस्सा 50 प्रतिशत) 2. मुकेश चौधरी (हिस्सा 10 प्रतिशत) 3. केतन चौधरी (हिस्सा 40 प्रतिशत) अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी आम व खास को कोई आपति व ऐतराज हो तो इस सुचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस में अपना ऐतराज फर्म के पते पर प्रस्तुत करे व 7 दिवस गुजरने के बाद सूचना पर कोई ऐतराज मान्य नहीं होगा।

मैसर्स ओसवाल एंटरप्राइजेज जरिये पार्टनर

विवाहिता का कुएं में शव मिला

■ पति से झगडा होने के बाद मृतका अपने बच्चों को छोडकर कहीं चली गई थी

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र में सोमवार रात को पति-पत्नी में कहासुनी के बाद घर छोडकर गई पत्नी का शव कुएं में मिला है। पति से झगडा होने के बाद महिला अपने बच्चों को छोडकर कहीं चली गई।

जब काफी देर तक महिला वापस नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश की,लेकिन देर रात तक उसका कोई पता नहीं चला। मंगलवार सुबह परिजनों ने एक बार फिर महिला की तलाश शुरू की। दिन भर तलाश के बाद देर शाम को ढोली बावडी कुएं में महिला का शव मिला। सूचना पर पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और शव को कुएं से बाहर निकाला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और रात को शव को अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया।

पुलिस ने बुधवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। थानाधिकारी ने बताया कि हिराता फला माली निवासी प्रेमिका ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसमें बताया कि 5 सितंबर की रात के समय उसकी मां बसंती घर में खाना बना रही थी। इस दौरान उसके पिता दिनेश रोत गाली-गलौज करते हुए आए और मां से झगडा करने लगे। पिता के लडाई करने से मां नाराज होकर कहीं चली गई।

इस पर उसने अपने मामा को फोन किया। कुछ देर बाद उसके मामा हाजा उर्फ हीरालाल अपने मामा लोकेश खराडी के साथ आए और पिता दिनेश को समझाने लगे। काफी देर तक जब उसकी मां घर नहीं आई तो उन्होंने उसकी खोजबीन की, लेकिन देर रात तक पता नही सका। थानाधिकारी ने बताया मंगलवार को परिजनों ने महिला की फिर से तलाश शुरू की तो देर शाम को ढोली बावडी कुएं में उसका शव मिला।

'कांग्रेस परिवारवाद और तुष्टीकरण की नीति छोड़े'

अजमेर, (कासं)। अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस को पहले अपने गिरेबां में झांकने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, देश तो एक है, राहुल गांधी पहले कांग्रेस को जोड़ें। कांग्रेस परिवारवाद और तुष्टीकरण की नीति छोड़े।

विधायक वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस द्वारा शुरु की जा रही भारत जोड़ो यात्रा को ढकोसला करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश को बरगलाना चाहती है लेकिन देश के लोग उसे नकार चुके हैं। देश की जनता अब कांग्रेस के बहकावे में नहीं आएगी। कांग्रेस जिस तरह एक परिवार और तुष्टिकरण की नीतियों पर चलती है, पूरा देश उसे नकार चुका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को भारत जोड़ो के बजाए कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए। कांग्रेस के तमाम बड़े नेता और कार्यकर्ता समय मिलते ही पार्टी छोड़ देना चाहते हैं। उन्हें पता लग गया है कि कांग्रेस की नीतियां और सोच देश को गर्त में ले जा सकती है। यही कारण है कि आमजनता, कार्यकर्ता और नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। कांग्रेस ने 1947 में भारत का विभाजन किया था अगर कांग्रेस को भारत जोडो यात्रा निकालनी है तो पाकिस्तान में यात्रा निकालनी चाहिए। राहुल देश को बरगलाने की कोशिशें छोड़कर अपना घर सुधारे, अपने गिरेबां में झांके।

करंट से ठेकाकर्मी लाइनमैन की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना क्षेत्र के झरनी गांव में पोल पर ट्रांसफार्मर चढे एक ठेकाकर्मी लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई।

घटना को लेकर परिजनों ने जीएसएस कार्मिकों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। थानाधिकारी हजारीलाल ने बताया कि बृजमोहन डामोर निवासी केसरपुरा गडा वाटेश्वर ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसका बेटा अल्पेश डामोर बिजली निगम की एक ठेका कंपनी में लाइनमैन का काम करता है।

मंगलवार को अल्पेश मजदूरों के साथ झरनी में डीपी बदलने गया था। वह पीठ जीएसएस से शट डाउन लेकर डीपी चढाकर लाइन को जोड रहे थे। उसी समय अचानक बिना किसी सूचना के ही जीएसएस से लाइन चालू कर दी। इससे अल्पेश को जोर से करंट लगा और नीचे गिर पडा।करंट लगने से गंभीर घायल अल्पेश को सीमलवाडा हॉस्पीटल लेकर पहुंचे। हालत खराब होने पर डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। जिस पर उसे डूंगरपुर हॉस्पीटल लेकर आए। जहां चिकित्सको ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक- न.नि.अ./22-23/एम.बी./1242 दिनांकः 31-8-2022

आपत्ति सूचना

श्री दिनेश गोयल स्व. श्री श्यामलाल गोयल निवासी 16/371 कवंडसपुरा, मदार गेट अजमेर द्वारा एक सम्पति जिसका एएमसी नम्बर 15/405-706/16 जो वाके कवंडसपुरा मदारगेट अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 55.55 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानसार है।

पूर्व - रास्ता आम गली — पश्चिम - कवंडसपुरा की मुख्य सड़क
उत्तर - आम रास्ता — दक्षिण - अन्य की सम्पत्ति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

क्षेत्रीय कार्यालय, **राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल**
एसपीएल-2, पंचम चरण, रिको औद्योगिक क्षेत्र, किशनगढ़ (अजमेर)
राप्रनिम/क्षैका किश/पीयूबी-198/1695 दिनांक 07.09.2022

पर्यावरणीय स्वीकृति समूह खनन परियोजना हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

1. सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स एस.एस. स्टोन कोरपोरेशन प्लॉट संख्या 115 ग्राम मिनियानी द्वारा ग्रेनाईट, क्वार्टज एवं फैल्सपार खनिज क्लस्टर खनन परियोजना जिसका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	प्रोजेक्ट का नाम	खनन पट्टा/ प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल हैक्टेयर में	ग्राम	खनिज का नाम	उत्पादन क्षमता टीपीए (आर.ओ.एम.)
1	मैसर्स एस. एस. स्टोन कोरपोरेशन खसरा संख्या 397	115	4.7850	मिनियानी	ग्रेनाईट, क्वार्टज एवं फैल्सपार	173800
2	मैसर्स सन ग्रेनाईट एवं मिनरल्स	16/2012	4.48	मिनियानी	क्वार्टज एवं फैल्सपार	35100

कुल क्लस्टर क्षेत्रफल 9.265 हैक्टेयर, कुल क्लस्टर उत्पादन क्षमता-208900 टीपीए (आर.ओ.एम.) ग्राम मिनियानी, तहसील नसीराबाद, जिला अजमेर से संबंधित प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक समूह खनन परियोजना लोक सुनवाई हेतु प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहाँ तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) को प्रस्तुत किया गया है।

2. और चूंकि मैसर्स एस.एस. स्टोन कोरपोरेशन प्लॉट संख्या 115 ग्राम मिनियानी ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्ण आवश्यक समूह खनन परियोजना की लोक सुनवाई हेतु मण्डल को आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त परियोजना हेतु वन. पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी ई. आई.ए. अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 और एस.ओ. 141 ई दिनांक 15.01.2016 के अनुसार समूह लोक सुनवाई हेतु आवश्यक है।

3. उक्त समूह खनन परियोजना से सम्बन्धित समूह EIA/EMP Report एवं संक्षिप्त कार्यपालक सार अभिलेख निम्न कार्यालयों में अवलोकनार्थ उपलब्ध है :- (1) जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, अजमेर। (2) पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर (3) सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय विशेषा मुल्यांकन समिति, राजस्थान 04, संस्थानिक क्षैत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर। (4) क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, किशनगढ़, जिला-अजमेर। (5) तहसील-नसीराबाद, जिला-अजमेर। (6) राजीव गांधी सेवा केन्द्र, ढाल, तहसील नसीराबाद, जिला अजमेर।

अतः सर्वसाधारण को कार्यालय जिला क्लक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, अजमेर के पत्र क्रमांक कआ/सामान्य/2022/11342 दिनांक 07.09.2022 के क्रम में इस आम सूचना के माध्यम से एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त समूह खनन परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित जन सुनवाई हेतु दिनांक 10/10/2022 को दोपहर 1:00 बजे, स्थान-राजीव गांधी सेवा केन्द्र, ढाल, तहसील नसीराबाद, जिला अजमेर में उपस्थित होकर अपने लिखित/ मौखिक आक्षेप/ सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।
इस संबंध में लिखित आक्षेप/ सुझाव इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण मण्डल, किशनगढ़, जिला-अजमेर को भी दिये जा सकते है।

(दीपक तँवर) पर्यावरणीय अभियंता एवं क्षैत्रीय अधिकारी

सस्नेह संस्मरण

श्रीमती रति चतुर्वेदी
(12.1.67 - 6.09.2022)
पुत्री स्व. श्री वाचस्पति शर्मा एवं विमला शर्मा

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है हमारी प्रिय रति चतुर्वेदी का 6 सितम्बर 2022 को स्वर्गवास हो गया है।

वे बेहद दयालु, संवेदनशील विनम्र व्यक्तित्व की स्वामिनी थीं और खुशनुमा व स्नेह पूर्ण स्वभाव से सभी की प्रिय थीं। काल के क्रूर हाथों ने उन्हें असमय ही हम सबसे छीन लिया। उनके कोमल हृदय को हम कभी नहीं भूल पाएंगे, जिसमें सभी परिजनों के लिए भरपूर स्नेह था। हम आपको कभी नहीं भूलेंगे और आपकी यादों को संजोए रखेंगे।

विनय कृष्ण चतुर्वेदी, तुफैल (पति) — शोक संतप्त
श्रीमंत चतुर्वेदी (पुत्र) — राष्ट्रदूत परिवार

पानी में तैरी 51 किलो वजनी पत्थर की कुंडी

नागौर शहर के गिन्नाणी तालाब स्थित नृसिंह बगीची के कृत्रिम जलाशय में 51 किलो वजनी पत्थर की कुंडी तैरी।

नागौर, (निसं)। शहर के गिन्नाणी तालाब स्थित नृसिंह बगीची परिसर में बुधवार की शाम जलझूलनी एकादशी के अवसर पर 51 किलो वजनी पत्थर से बनी कुंडी पानी में तैराई गई। बुधवार को जलझूलनी एकादशी के मौके पर जैसे ही इस पत्थर की वजनी कुंडी को गिन्नाणी तालाब स्थित नृसिंह बगीची के बाहर बनाए गए अस्थाई जलाशय में उतारा गया तो समूचा क्षेत्र जयकारों से गूंज उठा।

ये पत्थर की बनी 51 किलो वजनी कुंडी वास्तव में यहां बने जलाशय में कागज की नाव की भाती तैरी। जैसे ही इस कुंडी को बगीची में बाहर बनाए गए अस्थाई जलाशय में उतारा गया तो समूचा क्षेत्र भगवान नृसिंह के जयकारों से गूंज उठा। यहां हर साल जलझूलनी एकादशी के मौके पर इस बरसों पुरानी 51 किलो वजनी पत्थर की कुंडी में भगवान नृसिंह देव को विराजित कर जलझूला कराया जाता है।

जलझूलनी एकादशी पर भगवान जलविहार करते हैं। इस बरसों पुरानी परम्परा को यहां बखूबी निभाया गया। इस अनूठे आयोजन को देखने शहरवासी गिन्नाणी तालाब स्थित नृसिंह बगीची में उमड पडे। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति मीतू बोथरा, अरबन बैंक अध्यक्ष नरेन्द्र कच्छावा, पार्षद नवरतन बोथरा, पार्षद विशाल शर्मा, पार्षद यतिराज धनावत नृसिह बगीची के देवकिशन सोनी सहित अमीचंद सुराणा, भाजपा नेता महेन्द्र पहाड़िया, किशन लोहिया, भारतीशचन्द्र जोशी, अमरचंद सेन, पन्नालाल भंवर, कमल किशोर सोनी, प्रवीण सोलंकी, कुलदीप सांखला, महावीर कंसारा, जुगल सारड़ा सहित श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में भाग लिया। सभी भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया गया।

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नियमन/2022-23/6135 दिनांकः- 07-09-2022

लोक सूचना

निम्नांकित खातेदारों ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृर्षिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	1. आदित्य पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/45 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार। 2. कमलेश पत्नि कुन्दनलाल हिस्सा 1/3 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार। 3. कृष्णकांत पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/45 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार। 4. गणपतलाल पुत्र सुरेशचंद हिस्सा 1/9 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार। 5. गोरव पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/45 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार। 6. राजरानी पत्नि ज्ञानचंद हिस्सा 1/45 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार। 7. लालचन्द पुत्र सुरेशचन्द अग्रवाल हिस्सा 1/3 जाति अग्रवाल सा. सराफान मौह. ब्यावर खातेदार अ.वि. - (एच.यू.एफ.) बहेसियत मैनेजरकर्ता। 8. विनोद कुमार पुत्र सरेशचंद हिस्सा 1/9 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार। 9. सोरभ पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/45 जाति अग्रवाल सा. ब्यावर खातेदार।	गढ़ीथोरियान	1205	0.0809
2	1. आदित्य पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/5 जाति अग्रवाल सा. सर्राफान मौहल्ला ब्यावर खातेदार। 2. कृष्णकांत पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/5 जाति अग्रवाल सा. सर्राफान मौहल्ला ब्यावर खातेदार। 3. गौरव पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/5 जाति अग्रवाल सा. सर्राफान मौहल्ला ब्यावर खातेदार। 4. राजरानी पत्नि ज्ञानचंद हिस्सा 1/5 जाति अग्रवाल सा. सर्राफान मौहल्ला ब्यावर खातेदार। 5. सौरभ पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा 1/5 जाति अग्रवाल सा. सर्राफान मौहल्ला ब्यावर खातेदार।		1203 1207 2056/1208	0.1497 0.2185 0.2185
3	1. सौरभ पुत्र ज्ञानचंद हिस्सा पूर्ण जाति अग्रवाल सा. नि. साकेत नगर ब्यावर खातेदार।		1214	0.0607
4	1. केशव अग्रवाल पुत्र गणपत अग्रवाल हिस्सा पूर्ण जाति अग्रवाल नि. 2/26 साकेत नगर ब्यावर खातेदार।		1206 2059/1213	0.0283 0.1922

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 (क) और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधिन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष के समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपयुक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है व तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधिन आज दिनांक .... को जारी की गई।

प्राधिकृत अधिकारी नगर परिषद ब्यावर

संक्षिप्त

आयकर विभाग की कार्यवाही

भीलवाडा, (निसं)। आयकर विभाग जयपुर की टीम ने बुधवार को प्रदेश के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की कार्यवाही को अंजाम दिया। इसके तहत भीलवाडा में भी एक किराणा व्यापारी के यहां छापा मारा गया है। विभाग के सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई बाजार नम्बर दो में स्थित एक बडे किराणा व्यापारी के यहां चल रही है। इस कार्रवाई में कई पर्चिया मिली है। जिसमें लाखों रुपए का हिसाब है। बताया गया है कि आयकर विभाग की टीम के सदस्य बुधवार सुबह अचानक बाजार नम्बर दो पहुंचे और दुकान के मालिक को बुलाकर दुकान को खुलवाया। जांच के दौरान कई गडबडी मिली है लेकिन इसका अभी किसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वही उनके घर पर भी कार्रवाई की खबर आ रही है। दोनों जगह पर पुलिस तैनात की गई है। किसी भी व्यक्ति को पास तक नहीं आने दिया जा रहा है। यहां तक की अधिकारी कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। भीलवाडा आयकर विभाग के अधिकारियों ने भी अभी कुछ भी बताने से इंकार कर दिया है। माना जा रहा है यह छापे की कार्रवाई प्रदेश में 60 से अधिक स्थानों पर चल रही है।

प्रशासनिक परीक्षण समिति की बैठक

नागौर, (निसं)। जिला कलेक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रशासनिक परीक्षण समिति की वित्तिय वर्ष 2022-2023 के अर्न्तगत द्वितीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर समारिया ने बकाया ऑडिट आक्षेपों के जल्द से जल्द निस्तारण के संबंध में निर्देश दिये। बैठक में सदस्य सचिव आरपीएमएफ शैलेन्द्र कुमार परिहार, कोषाधिकारी हरिराम राड, जिला परिषद के वरिष्ठ लेखाधिकारी रूघाराम गोदारा सहित सभी पंचायत समितियों समस्त नगरपरिषद व नगर पालिका, कृषि उपज मण्डी समितियां एवं अन्य स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

वंदना गोविल का सम्मान

नसीराबाद, (निसं)। रोटरी क्लब प्रेसिडेंट अमित तापडिया ने बताया कि प्राचार्या वंदना गोविल 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो रही हैं। उन्होंने कॉलेज विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं के लिए बहुत कार्य किया। प्राचार्या द्वारा किये कार्यों से प्रेरित होकर रोटरी क्लब नसीराबाद द्वारा सम्मान किया गया। शिक्षक दिवस पर भी रोटरी क्लब द्वारा शहर की सभी प्रमुख स्कूल के लगभग 22 शिक्षकों और 10 रिटायर्ड शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस दोरान अमित तापडिया, मुकेश मित्तल, नवनीत राठी, हेमंत जैन आदि साथी उपस्थित थे।

रोडवेज कर्मियों ने ज्ञापन सौंपा

भीलवाडा, (निसं)। रोडवेज निगम कर्मियों ने बुधवार को भीलवाडा रोडवेज बस स्टैंड पर प्रदर्शन करते हुए अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में प्रबंध निदेशक के नाम एक ज्ञापन सौंपा। संरक्षक गणपत सिंह, शाखा अध्यक्ष डिगराज सिंह, प्रह्लाद ओझा, जितेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह, कैलाश जोशी, मालीराम रैगर के साथ ही बीएमएस के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन कर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के नाम मुख्य प्रबंधक भीलवाडा आगार को ज्ञापन सौंपा गया।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना अंतर्गत ग्राम नांदला निवासी एक युवती ने नसीराबाद सदर थाना में बुधवार को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी 3 माह पूर्व उदयपुर निवासी सद्दाम हुसैन के साथ सगाई हुई थी। जिसने युवती की फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी तथा युवती द्वारा मना किए जाने पर उसे झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की धमकियां दी गई। जिस पर सदर थाना पुलिस ने आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

उपखंड स्तरीय जनसुनवाई आज

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन गुरुवार को मसूदा पंचायत समिति स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र पर प्रात: 11 बजे वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया जाएगा। उपखंड अधिकारी डॉ संजू मीणा के अनुसार 11 बजे से भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र, मसूदा में 'उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था' विडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से आयोजित की जायेगी।

अधिकारी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाएं : खिलाड़ी लाल

नागौर, (निसं)। राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाडी लाल बैरवा ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

बैरवा ने बैठक में कहा कि किसी भी हालत में पीडित को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं का मुख्य लक्ष्य गरीबों, वंचितों का उत्थान करना है इसलिए सभी संबंधित अधिकारी राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। आयोग अध्यक्ष बैरवा ने तहसीलवार अनुसूचित जाति या सरकारी जमीन के कब्जे के संबंध में भी आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने अनुसूचित जाति के हितों की रक्षा के लिए अभियान स्तर पर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों से जिले में लंपी रोग की स्थिति जानी एवं गौवंश की मृत्यु पर दुख भी व्यक्त किया।

उन्होंने इस दौरान ऑपरेशन समानता पर चर्चा करते हुए कुछ जिलों में छुआछूत हटाने संबंधित अभियान चलाने की बात कही। बैरवा ने एट्रोसिटी एक्ट में आरोपियों पर सख्त एवं त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकाय में सफाई कर्मचारी के पद पर चयनित कर्मचारियों से उनके पद के अनुसार कार्य करवाने की बात कही। बैरवा ने बैठक के दौरान सर्किट हाउस में जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओ के संबंध में संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को अनुसूचित जाति की खातेदार की भूमि पर नॉन अनुसूचित जाति के व्यक्तियों द्वारा किए गए कब्जे व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 183 बी.सी में दर्ज मामले, सरकारी जमीन पर कब्जे का विवरण,समाज कल्याण विभाग, अनुजा निगम, राजस्थान ग्रामीण आजीविका परिषद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, कृषि उद्यानिकी एवं पशुपालन विभाग, विद्युत विभाग,शिक्षा विभाग, रसद विभाग, नगरीय निकाय विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग,सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की एवं उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने आयोग अध्यक्ष बैरवा द्वारा पूर्व में ली गई बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना व की गई कार्रवाई से संबंधित विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा ने जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

- जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित
- पशुपालन विभाग के अधिकारियों से लंपी रोग की स्थिति जानी

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहन लाल खटनावालिया, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीरालाल मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दलीप कुमार, डिस्कॉम एसई एफआर मीणा,पीएचईडी एसई हिमांशु गोविल, पीडब्ल्यूडी एसई पीआर खुडीवाल सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। इससे पूर्व सर्किट हाउस में अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष खिलाडी लाल बैरवा ने विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अनुसूचित जाति के लोगों के साथ बैठक ली तथा उनकी परिवेदनाएं सुनी।

दशलक्षण मंडल विधान, नित्य नियम पूजन संपन्न

अजमेर, (कासं)। दश लक्षण पावन पर्व पर्यूषण की दस दिवसीय श्रृंखला के तहत बुधवार को आठवें दिवस उत्तम त्याग के दिन सोनीनगर जैन मन्दिर फायसागर रोड अजमेर में डॉ. राजकुमार गोधा के निर्देषन में जिनेन्द्र अभिषेक, वृहदषान्तिधारा करने का सौभाग्य सुनील कुमार जैन, अजीत जैन, जयकुमार जैन, महावीर अजमेरा, पलुव कासलीवाल, महावीर जैन, कमल बाकलीवाल, प्रदीप बडजात्या, शान्तिलाल पाटनी, अनुपम जैन, श्याम बडजात्या परिवार द्वारा की गई। उसके पश्चात दसलक्षण मंडल विधान, नित्य नियम पूजन सम्पन्न हुई।

महामंत्री कमल गंगवाल व प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने बताया कि आज उत्तम त्याग धर्म पर डॉ. राजकुमार गोधा ने कहा कि मनुष्य की अनेकों महत्वकांक्षाए होती है पर त्याग ही व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाती है। दान चार प्रकार का होता है। औषध दान, आहार दान, अभयदान, ज्ञान दान आदि । विनयपूर्वक बडे प्रेम पूर्वक शुभ वचन बोलकर नित्य ही त्याग-दान देना चाहिये । सर्वप्रथम अभय दान देना चाहिये जिसे परंभव के दुखो का नाष हो जाता है। पुन: दूसरा शास्त्र दान करना चाहिये, जिससे निर्मल ज्ञान प्राप्त होता है। रोग को नष्ट करने वाला औषध दान देना चाहिये जिससे कभी भी व्याधियों की प्रगटता नहीं होती है।

महासमिति अध्यक्ष अतुल पाटनी, महामंत्री कमल गंगवाल व प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने बताया कि दिगम्बर जैन समाज के दस दिवसीय पर्यूषण पर्व के समापन पर सामूहिक क्षमा याचना पर्व सामूहिक रूप से सरावगी मोहल्ला में मनाया जाता है जहां पर सभी धर्मावलम्बी महिलायें, पुरूष, बच्चे आदि एकत्रित होकर आपस में एक दूसरे के गले लग कर हाथ जोडकर, चरण छू कर बीत वर्ष में जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिये क्षमा याचना करते है। इससे पूर्व शहर की सभी नसियांजी, मन्दिरजी में वार्षिक कलषाभिषेक सम्पन्न होते है।

सचिन पायलट का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के 45वें जन्मदिवस के अवसर पर बाबू मोहल्ला, केसरगंज स्थित शहर कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसजनों ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में केक काटकर जन्मदिन मनाया तथा समस्त कांग्रेसजन ने सचिन पायलट के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और उत्कृष्ट सार्वजनिक जीवन की कामना की।

शहर कांग्रेस कार्यालय पर जन्मदिन मनाने वाले कांग्रेसियों में महेंद्र सिंह रलावता, प्रताप यादव, अमोलक छाबड़ा, अंकुर त्यागी, श्याम प्रजापति, नरेश सत्यावना, कैलाश कोमल, महेश चौहान, वैभव जैन, ईश्वर टहल्यानी,मनीष सेठी, दयानंद चतुर्वेदी, संजय मौर्य, रवि शर्मा, दिनेश सहारा, हामीद चीता, राकेश चौहान, सुरेश लड्ढ, नीरज यादव, अशोक बिंदल, शैलेश आदि मौजूद थे।

ब्यावर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं शहर जिला कांग्रेस सेवा दल के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान के युवा नेता पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिन पायलट का 45वां जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया। जिलाध्यक्ष विक्रम सोनी ने बताया कि इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष सोहन मेवाडा एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता के.के. मिश्रा ने केक काटकर बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम में पायलट साहब को बधाई देते हुए संबोधन में मुख्य अतिथि सोहन मेवाडा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस सेवादल अशोक मूंदडा ने संबोधन किया।

सचिन पायलट के जन्मदिवस पर बाबू मोहल्ला, केसरगंज स्थित शहर कांग्रेस कार्यालय पर केक काटकर जन्मदिन मनाया

दो युवक गिरफ्तार, हथियार जब्त

भीलवाडा, (निसं)। शहर की सुभाष नगर थाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इनसे एक पिस्टल व चार कारतूस बरामद किये हैं। इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सुभाषनगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि मंगलवार को थाने पर सूचना मिली कि मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट का किसी ने वीडियो बना लिया और वे डिलीट करने की एवज में रुपए की मांग कर रहे है। इस सूचना पर पुलिस ने शिकायत कर्ताओं से बात की तो उन्होंने उक्त लोगों का हुलिया बताते हुये मामले की जानकारी दी।इसके बाद एक टीम इन लोगों की तलाश करते हुये गश्त पर निकली। आकोला रोड पर उक्त हुलिये के मुताबिक दो व्यक्ति घूमते मिले। जिन्हे पुलिस ने रोक कर पूछताछ की तो उन्होंने खुद को छापरी निवासी सांवरलाल (25) पुत्र धन्ना जाट व नंदलाल (27) पुत्र माधु तेली होना बताया। पुलिस ने संदेह के आधार पर दोनों को पकडा और तलाशी ली, जिसमे नंदलाल के पास एक पिस्टल और दो कारतूस, जबकि सांवरलाल के पास दो कारतूस मिले। पुलिस ने हथियार व कारतूस बरामद कर दोनों को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

ई-मित्र प्लस ऑपरेटरों ने मांगों को लेकर रैली निकाल प्रदर्शन किया

मांडलगढ, (निसं)। राजीव गांधी सेवा केंद्र ई मित्र प्लस ऑपरेटरों ने ई मित्र संघ अध्यक्ष लादू लाल कुमावत के नेतृत्व में अपनी माँग को लेकर मुख्यमंत्री को मार्फ़त मांडलगढ एसडीएम नेहा छीपा ओर प्रोग्रामर को ज्ञापन सौंपा। ईमित्र संचालकों ने रैली निकाल प्रदर्शन किया।

ई-मित्र संघ अध्यक्ष लादूलाल कुमावत ने ज्ञापन बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र खोला गया है। जिसमें ग्रामिणों को एक ही छत के नीचे 400 से अधिक सेवाएं ई-मित्र सेवा केंद्र से दी जा रही हैं। ई मित्र संचालकों को 2014 में नियुक्त किया गया था तथा ई मित्र सेवा को और सुलभ बनाने के लिए 2017 में सरकार ने ई मित्र प्लस मशीने भी लगाई गई। उक्त सभी कार्यों को ई मित्र प्लस ऑपरेटर द्वारा निर्धारित शुल्क लेकर संचालित किया जाता है। ई मित्र प्लस ऑपरेटर को कोई मानदेय नहीं दिया जाता है। 15 फरवरी 2021 को महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत राज्य सरकार नवीन बजट सत्र में प्रत्येक ग्राम पंचायत में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर सेवा एजेंसी के माध्यम से लगाए जाने की घोषणा की। इसी भर्ती में राजीव गांधी सेवा केंद्र पर 8 वर्ष से ई मित्र प्लस ऑपरेटर को नियुक्त किया जाए। इसी मौके पर ई मित्र प्लस अध्यक्ष लादू लाल कुमावत, ईमित्र संचालक अनुभव भीं है और इस मशीन की सरकारी सेवाओं के बारे की सम्पूर्ण जानकारी भी है। इन पदों पर वरीयता देकर कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर मित्र प्लस ऑपरेटर को नियुक्त किया जाए। शिवलाल गुर्जर, रघुनाथ गुर्जर, ओमप्रकाश नाथ, श्याम लाल धाकड, दीपेश जेन, नारायण लाल शर्मा, गोविंद शर्मा, बनवारी सारस्वत, नंद लाल मीणा, तेजमल कुम्हार, रामस्वरूप धाकड, भैरु लाल धाकड सहित कई ईमित्र संचालक मौजूद थे।

ई-मित्र संचालकों ने मांडलगढ़ एसडीएम नेहा छीपा को मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आज अजमेर में

अजमेर, (कासं)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना गुरूवार को अजमेर आएंगी। वे यहां सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत करेंगी। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने बुधवार को रिहर्सल कर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना गुरूवार को जयपुर से अजमेर आएंगी। वे दोपहर में यहां सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत कर अकीदत के फूल पेश करेंगी। यहां जिला प्रशासन, दरगाह कमेटी और अंजुमन की ओर से उनका स्वागत किया जाएगा।

जिला कलैक्टर अंशदीप ने बताया कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की अजमेर यात्रा गुरूवार को प्रस्तावित है। इस यात्रा की व्यवस्थाओं की बुधवार को समीक्षा की गई। साथ ही सुरक्षा के सम्बन्ध में बांग्लादेश के सुरक्षा दल के साथ पूर्वाभ्यास किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार काफिला जयपुर से अजमेर पहुंचा। यहां सर्किट हाउस से काफिला दरगाह के लिए रवाना हुआ। व्यवस्था के तौर पर दरगाह बाजार पूरी तरह से बन्द रहा। यातायात भी रोका गया। उन्होंने बताया कि दरगाह में पूरे क्षेत्र का अवलोकन कर दल द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिए कहा गया। आस्ताना शरीफ में हसीना द्वारा चादर चढ़ाई जाएगी। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास किया गया। सुरक्षा व्यवस्थाओं को चुस्त दुरूस्त रखने के लिए कहा गया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट, अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव किशोर कुमार सहित दरगाह दीवान के प्रतिनिधि एवं दरगाह से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

- ख्वाजा साहब की दरगाह में पेश करेंगी अकीदत के फूल
- बुधवार को प्रशासन व पुलिस ने किया यात्रा का रिहर्सल

बालाजी महाराज का वार्षिक मेला आज

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। किशनगढ का ऐतिहासिक बालाजी महाराज मेला गुरुवार को भरेगा। बालाजी मेला कमेटी की और से बालाजी महाराज के मेले के उपलक्ष में कवि सम्मेलन सहित सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा।

मुख्य संयोजक चंद्रप्रकाश वैद ने बताया की इस संबंध में आयोजित कमेटी की बैठक में कार्यक्रमो को अंतिम रूप दिया गया। संयोजक वैद के अनुसार 8 सितंबर को रात्रि 9 बजे से रविंद्र रंगमंच मैदान पर मार्बल उद्यिमयों एवं जन सहयोग से एक शाम बालाजी के नाम भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें लोकप्रिय भजन गायिका दीपिका राव व रेखा जांगिड ठाुप द्वारा राजस्थानी भजन एवं ब्लू हेमंती मेंट की प्रस्तुति दी जाएगी। निदेशक राजेंद्र गुप्ता व सह निदेशक प्रेमसागर के अनुसार 10 सितंबर को आर के मार्बल के सौजन्य से विराट कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय कवि संजय झाला दोसा, राव अजातशत्रु फिरोजाबाद, मुमताज नसीम अलीगढ़, अखिलेश द्विवेदी बनारस, मुन्ना बैटरी मंदसौर, भावना द्विवेदी गोरखपुर एवं रोहित छन्नाट इंदौर काव्य प्रस्तुतियां देंगे। साथ ही 12 सितंबर को मयूरा सिटी व बीएलजी ठाुप के सौजन्य से बॉलीवुड कलाकार पेंटाली सेन एंड ग्रुप द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगें। बैठक में कमेटी केउमराव बाकलीवाल, श्याम जोगड, ज्ञानेंद्र सैनी, कैलाश रोकड़िया, अशोक पाटनी बडायली, चंद्रप्रकाश सोनी, सुरेश इनाणी, अमित बडजात्या, विजय शर्मा, अनिल लड्ढा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सार-समाचार

क्षत्रिय समाज का 9 सदस्यीय दल धार्मिक यात्रा पर

बिजयनगर, (निसं)। क्षत्रिय समाज का 9 सदस्य दल बुधवार को धार्मिक यात्रा पर रवाना हुआ। क्षत्रिय समाज के भाजपा प्रवक्ता प्रदीप सिंह भदोरिया ने बताया कि धार्मिक यात्रा नेपाल के काठमांडू श्री पशुपतिनाथ महादेव सहित कई धार्मिक मंदिरों एवं पोखरा की यात्रा करेगे। नेपाल यात्रा के लिए रवाना नौ सदस्यीय दल में क्षत्रीय सेवा संस्थान बिजयनगर मसूदा के अध्यक्ष प्रमुख व्यवसायी सहदेव सिंह कुशवाह, पूर्व एडिशनल एसपी अजमेर किशन सिंह भाटी,भाजपा प्रवक्ता प्रदीप सिंह भदोरिया, फौजी मुंशी सिंह जादौन, आईटी मैनेजर रियाद कृपाल सिंह जादौन, जैसलमेर से कांग्रेस प्रत्याशी रही सुनीता भाटी, प्रमिला कुशवाह, कल्पना सिंह, मुन्नी देवी, शामिल थे। क्षत्रिय समाज सहित शुभचिंतकों ने धार्मिक यात्रा पर जा रहे क्षत्रिय समाज के 9 सदस्य दल के लिए सुखद यात्रा की कामना की।

ठाकुरजी ने किया जल विहार

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ निसं कस्बे में जलझूलनी एकादशी पर्व बुधवार को विविध धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न मंदिरों से रेवाडी निकली गई। ठाकुर जी को जल विहार करवाया गया। जल विहार के दौरान श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। वहीं विभिन्न मंदिरों से ठाकुर जी को विमान में बिठाकर ढोल बाजों के साथ जल विहार के लिए लाया गया। जलझूलनी एकादशी सभी रेवाडि बड़े मंदिर से प्रारंभ होकर सांपला गेट शिव सागर तालाब पहुंची ठाकुर जी को स्नान कराया व ठाकुर जी की आरती उतारी तथा भक्तों को कथा सुनाई गई। वहीं मेले में काफी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस मौके पर थाना प्रभारी पुलिस कर्मियों के साथ मुस्तैद नजर आए वही बड़े मंदिर पर सभी पुजारियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

आपसी रंजिश में धारदार हथियार से जानलेवा हमला

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र अंतर्गत आपसी रंजिश में धारदार हथियार से जानलेवा हमला हो गया। हमले में पुत्र गंभीर घायल हो गया तथा पिता और बच्चे बाल बाल बचे। युवक शाहरुख से 17 हजार रुपए छीने लिए तथा सोने की अंगूठी भी छीन ली। पीडित परिवार ने 6 लोगों के खिलाफ मसूदा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीडित परिवार ने बताया कि आसीन्द पुत्र सुभान, यूसुफ पुत्र आसीन्द, जेबुना, अनीसा व अफसाना समस्त जाति कायमखानी एक राय होकर हाथों में धारदार हथियार लोहे का सरिया व कुल्हाड़ी लेकर आए थे आते ही ताबड़तोड़ मारपीट करने लगे तथा समस्त आरोपी मुझे जमीन पर पटककर लोहे के सरिए व कुल्हाड़ी से मेरे सिर व गले पर वार कर मुझे लहूलुहान कर दिया। मेरे चिल्लाने व चीखने पर मेरे पिता मकान से बाहर निकल कर आए व मेरा बीच-बचाव किया। आरोपियों ने मेरे पिता के साथ मारपीट की और उनके हाथों पर लोहे के धारदार हथियार से हमला कर जख्मी कर दिया। आरोपी आए दिन किसी न किसी बहाने से मेरे व मेरे परिवार के साथ मारपीट करते रहते हैं। पीडितों ने बताया कि 1 सितंबर की घटना है। घटना के बाद मसूदा पुलिस ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे पीड़ित परिवार काफी चिंतित है। रात दिन परिवार पर जानलेवा हमले की आशंका बनी रहती है। मसूदा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बस की चपेट में आने से चार की मौत

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ से 2 किमी दूर अजमेर मार्ग पर पेट्रोल पंप के सामने देर शाम बस की चपेट में आने से दो मोटरसाइकिल सवार चार जनों की मौत हो गई जबकि तीन जने गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर केकड़ी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम शर्मा सरवाड़ थाना एसआई गुमान सिंह पुलिस जाब्ते के साथ पहुंचे और घायलों को 108 की सहायता से सरवाड़ चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने 25 वर्षीय गणेश पुत्र जगदीश निवासी छापरी लक्ष्मी पत्नी पीरु लाल गुर्जर निवासी जडाना लक्ष्मण पुत्र लाला राम गुर्जर निवासी टिकारिया मृत घोषित किया वहीं देर रात 5 माह की खुशी पुत्री पीरु गुज्जर निवासी जडाना की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई जबकि प्रधान पुत्र रामधन भील निवासी छापरी कमलेश गुर्जर ढिगारिया रमेश पुत्र नोरत भील छापरी को अजमेर रेफर किया वही सड़क हादसे को लेकर चिकित्सालय में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घटना को लेकर एसआई गुमान सिंह एएसआई चिमन सिंह दीवान सुभाष चंद्र प्रहलाद मीणा सहित पुलिस जवानों ने हादसे में घायलों को चिकित्सालय पहुंचाने में सहयोग किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी।

रक्तदान जागरूकता प्रदर्शनी

ब्यावर, (निसं)। ऐतिहासिक तेजा मेला 4 से 6 सितंबर तक लाइफलाइन रक्तदाता ग्रुप द्वारा रक्तदान जागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई। जनजागरुकता सेल्फी प्वाइंट बनाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा। उपखंड अधिकारी राहुल जैन और वृताधिकारी सुमीत मेहरडा एवं अनेक पुलिस कर्मियों द्वारा सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाते हुए शुभारंभ किया। माता बहने, युवाओं ने भी सेल्फी ली। सभापति गोविंद पंडित, मेला संयोजक विकास दगदी, सह संयोजक हेमन्त कुमावत सहित पार्षद व दो रक्त वीरों विजयसिंह एवं साथी से रक्तदान करवाते हुए प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया गया।ठाुप संयोजक कन्हैयालाल बागडी, संस्थापक लक्ष्मण सामरिया, विजयगुप्ता, अमित गुप्ता, मनोज बारूपाल, महावीर कुमावत, आशीष माहेश्वरी, राकेश झांकल, सीमा आदिवाल, गोविंद भाटी, बिरजूलाल भाटी, मिक्की सलूजा, रुचिका जैन, अरुणगुप्ता, विष्णु कुमावत आदि मौजूद रहे एवं सेवाएं दी और सैकड़ों रक्तदाताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाते हुए संकल्प लिया। रूप रजत संस्था के रक्तमित्र, पदाधिकारी, पूजा नर्सिंग के विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स, स्काउटिंग के छात्र छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर पूरे मेले में घूम कर रक्तदान जागरूकता रैली निकाली।

महिला मंडल द्वारा रंगोली प्रतियोगिता

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। चेलना जागृति महिला मण्डल द्वारा सिटी रोड स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। सचिव रश्मि छाबडा ने बताया कि पर्युषण महापर्व पर आयोज्य प्रतियोगिता में महिलाओं व बालिकाओं ने हिस्सा लिया। मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, समाजसेवी माणकचन्द गंगवाल, प्रेमलता भौंच अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्य निर्णायक संजय-कम्मू पांड्या, महेन्द्र-गुणमाला पाटनी, निलेश-कविता पाटनी रहे। प्रतिभागियों में संगीता काला-नेहा पहाडिया प्रथम स्थान पर रही, सुरभी-पिंकी जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया व तृतीय स्थान पर ज्योत्सना-कीर्ती जैन व आशिका-प्रियंका जैन विजेता रही। इस दौरान आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल, सुमेरचंद अजमेरा, सुनीति झांझरी, मंजू गोधा, बीना जैन, नीतु गंगवाल, डा.किरण माला जैन, गौरल, आकांक्षा, सोनल दोषी, शिवानी, रेनु अजमेरा, टीना अजमेरा, गुणमाला छाबडा, शांति गंगवाल सहित अन्य सदस्याएं मौजूद रही। नवरतन दगडा, संजय छाबडा, दीपा अजमेरा, सारिका छाबडा, मुन्नी दगडा, संगीता गंगवाल का विशेष सहयोग रहा।

अगर आप औपचारिक खिताब चाहते हैं तो यह 2025 तक संभव है। कोई भी सरल रास्ता नहीं है जो हमें तैयार होने के लिए पर्याप्त समय दे। इससे कई चीजें जुड़ी होती हैं।

- विश्वनाथन आनंद

पूर्व शतरंज चैम्पियन, भारत के विश्व शतरंज चैम्पियन बनने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्या रहाणे

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी की डगर आसान नहीं है लेकिन गुरुवार से शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी में वह पूर्वोत्तर क्षेत्र की टीम के खिलाफ जब अनुभवी खिलाड़ियों से सजी पश्चिम क्षेत्र की टीम की अगुवाई करेंगे तो उनका ध्यान अपनी 'प्रक्रिया (खेल का तरीका)' पर बने रहने पर होगा। भारतीय घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत दलीप ट्रॉफी के साथ हो रही है जिसे पहले की तरह क्षेत्रीय प्रारूप में खेला जायेगा। खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा और अनुभव को देखें तो दोनों टीम के बीच कोई मेल नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट मैच में लगातार पगबाधा आउट होने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के डब्लू वाटसन के नाम है। वाटसन सात पारियों में लगातार पगबाधा आउट हुए थे।

भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंद कर सैफ चैम्पियनशिप में किया शानदार आगाज

नयी दिल्ली, 7 सितंबर। गत चैम्पियन भारत ने काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में सैफ (दक्षिण एशिया फुटबॉल महासंघ) महिला चैम्पियनशिप मेंबुधवार कोपाकिस्तान को 3-0 से हराकर अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। इस जीत के साथ ही चैंपियनशिप में भारत के अजेय क्रम का सिलसिला 27वें मैच में भी जारी रहा। प्रतिद्वंद्वी कप्तान मारिया जमील खान के आत्मघाती गोल के बाद डेंगमेई ग्रेस के शानदार गोल से भारत ने मध्यांतर से पहले ही 2-0 की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। आखिरी क्षणों में सौम्या गगुलोथ के गोल से भारत ने जीत के अंतर को 3-0 कर दिया। भारतीय टीम ने मैच में शुरुआत से ही दबदबा बना लिया था लेकिन टीम के गोल का खाता किस्मत के सहारे खुला। पाकिस्तान की कप्तान मारिया जमील खान ने 15वें मिनट में आत्मघाती गोल कर अपनी टीम पर दबाव और बढ़ा दिया।

राज्य स्तरीय सीनियर वुमेन टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता आज

जयपुर, 7 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2022-23 के विभिन्न आयु वर्ग की क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने वालीं राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु राज्य के विभिन्न जिला क्रिकेट केंद्रों पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर रहा है। आरसीए सचिव महेंद्र शर्मा के अनुसार आरसीए 8 सितंबर से जयपुर, भीलवाड़ा व झुंझुनूं जिलों में विभिन्न मैदान पर राज्य सीनियर महिला 20 क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें प्रतिदिन 12 मैच खेले जाएंगे। शर्मा के अनुसार आरसीए 8 सितंबर से जयपुर के साथ उदयपुर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़ जिला केंद्रों पर राज्य स्तरीय सीनियर कोल्वीन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें प्रतिदिन 16 मैचों का आयोजन किया जाएगा।

हॉकी राजस्थान के चुनाव आज

जयपुर, 7 सितम्बर। हॉकी राजस्थान की साधारण सभा की बैठक 8 सितम्बर को करौली मे होगी। जिसमें हॉकी राजस्थान के चुनाव होंगे। बैठक हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष अरुण कुमार सारस्वत की अध्यक्षता मे एवं निर्वाचन अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा की देखरेख मे आयोजित होगी। बैठक मे हॉकी इंडिया के पर्यवेक्षक राजेश चौधरी, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के पर्यवेक्षक डॉ. दिनेश चौधरी एवं राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक डॉ. रमेश इंदौलिया की उपस्थिति मे आयोजित बैठक मे आगामी 4 बर्षो 2022 से 2026 के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव होंगे।

एशिया कप : अफगानिस्तान के खिलाफ कमियां दूर करने उतरेगा भारत

दुबई, 7 सितंबर। फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप सुपर चार में गुरुवार को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में टी20 विश्वकप से पहले अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम सुपर चार चरण में अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ लगातार हार के लिए संसाधनों की कमी और खराब टीम चयन को भी दोषी ठहराया जा सकता है।

वर्तमान भारतीय टीम की रणनीति में लचीलापन का अभाव दिखता है और ऐसे में कोच राहुल द्रविड़ की नीतियों पर भी उंगलियां उठना लाजमी है। ऐसा लगता है कि द्रविड़ टीम चयन के मामले में कुछ कड़े फैसले लेने के लिए आतुर हैं क्योंकि टीम के पास किसी भी रणनीति के लिए दूसरी योजना नजर नहीं आती है।

ऐसी परिस्थितियों में उसे उस अफगानिस्तान का सामना करना है जिसके पास राशिद खान, मुजीब जादरान, मोहम्मद नबी, हजरतुल्लाह ज़ज़ई और रहमानुल्ला गुरबाज जैसे टी-20 के दमदार खिलाड़ी हैं। यह एक ऐसी टीम है जो कि अपने 'पावर हिटर' के दम पर 170 रन के लक्ष्य को भी हासिल कर सकती है और राशिद जैसे गेंदबाज की अगुवाई में विपक्षी टीम को कम स्कोर पर भी रोक सकती है। इस टीम के खिलाफ एक ही बात जाती है कि उसे लगातार बड़ी टीमों का सामना करने का मौका नहीं मिलता है। उसके पास अनुभव की कमी है। लेकिन टी-20 ऐसा प्रारूप है जिसमें एक खिलाड़ी मैच का परिदृश्य बदल सकता है। अफगानिस्तान के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं।

जहां तक भारत का सवाल है तो मुख्य कोच द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने और अन्य विकल्पों को आजमाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि दिनेश कार्तिक को ऋषभ पंत या दीपक हुड्डा की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। हुड्डा को श्रीलंका के खिलाफ सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और बाद में उन्हें गेंदबाजी भी नहीं सौंपी गई। ऐसे में हुड्डा को टीम में शामिल करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए। इसके अलावा श्रीलंका के खिलाफ मैच से यह भी साबित हो गया कि भारत पांचवें विशेषज्ञ गेंदबाज के रूप में हार्दिक पंड्या पर ही निर्भर नहीं रह सकता है जिन पर ऑलराउंडर की अपनी भूमिका निभाने के लिए काफी दबाव है।

बल्लेबाजों में रोहित ने पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ सकारात्मक रवैया अपनाकर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन कप्तान से शीर्ष तीन में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। भारत का पिछले दो मैचों में हार का कारण अनुभवी भुवनेश्वर कुमार की डेथ ओवरों की खराब गेंदबाजी रही। उन्होंने दोनों मैचों में 19वें ओवर में काफी रन लुटाए जिसके कारण दोनों मैच में युवा अर्शदीप सिंह को आखिरी ओवर में सात रन बचाने की मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ा।

करीबी मैच में अफगानिस्तान की पाकिस्तान से हार के साथ भारत एशिया कप से बाहर

शारजाह, 7 सितंबर। पाकिस्तान ने नसीम शाह (14 नादाब) के आखिरी दो गेंदों पर दो छक्कों की बदौलत अफगानिस्तान को एशिया कप के करीबी मैच में बुधवार को एक विकेट से हराया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 130 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने नौ विकेट गंवाकर 19.2 ओवर में हासिल कर लिया

पाकिस्तान को आखिरी तीन ओवर में 25 रन चाहिये थे, लेकिन 18वें ओवर में मोहम्मद नवाज़ और खुशदिल शाह का विकेट गिरने के बाद मैच अफगानिस्तान की झोली में आ गया। 19वें ओवर में हारिस रउफ और आसिफ अली के आउट होने पर पाकिस्तान नौ विकेट गंवा चुका था, जबकि उसे छह गेंदों में 11 रनों की दरकार थी। 10वें नंबर के बल्लेबाज नसीम शाह ने यहां 20वें ओवर की पहली दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर पाकिस्तान को जीत दिलायी। एशिया कप के फाइनल में पहुंचने के लिये भारत की उम्मीदें अफगानिस्तान पर निर्भर थीं, और उसकी हार के साथ भारत का एशिया कप अभियान भी समाप्त हो गया।

अफगानिस्तान ने दूसरी पारी के पहले ओवर में ही कप्तान बाबर आजम का विकेट लेने के साथ पाकिस्तान पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। बाबर एशिया कप में पहली गेंद पर आउट होने वाले पहले पाकिस्तानी कप्तान बने। फखर जमान (05) नजीबुल्लाह जादरान के शानदार थ्रो की बदौलत रन आउट हो गये।

मोहम्मद रिजवान (20) का विकेट गिरने के बाद इफ्तिखार अहमद और शादाब खान ने पाकिस्तान की पारी को पटरी पर लाते हुए चौथे विकेट के लिये 42 रन की साझेदारी की। इफ्तिखार ने 33 गेंदों पर 30 रन बनाये और पारी की रफ्तार बढाने के प्रयास में कैच आउट हो गये। अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने 17वां ओवर राशिद खान को सौंपा जिन्होंने 26 गेंदों पर 36 रन बनाने वाले शादाब का बहुमूल्य विकेट निकाला। इसके बाद पाकिस्तान ने त्विरत अंतराल पर विकेट गंवाये। 18वें ओवर में फारूकी ने मोहम्मद नवाज (04) और खुशदिल शाह (एक) को आउट किया जबकि 19वें ओवर में फरीद अहमद ने हारिस रउफ और आसिफ अली (16) को पवेलियन लौटाया।

लगातार 13वीं जीत के साथ सेमीफाइनल में गार्सिया

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। फ्रांस की कैरोलीन गार्सिया ने अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गार्सिया ने मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में गॉफ को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में हराकर लगातार 13वीं जीत दर्ज की। यह किसी बड़े आयोजन में गार्सिया का पहला सेमीफाइनल है, जहां वह ट्यूनीशिया की ऑन्स जब्यूर का सामना करेंगी।

2017 के बाद अपना पहला बड़ा क्वार्टरफाइनल खेलते हुए गार्सिया ओपन एरा में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली तीसरी फ्रांसीसी महिला बन गयीं। इनसे पहले फ्रांस की अमेली मॉरेस्मो (2002, 2006) और मैरी पीयर्स (2005) ऐसा कर चुकी हैं। गार्सिया मंगलवार रात गॉफ के खिलाफ तीसरे मुकाबले में अपनी पहली जीत तलाश रही थीं। इससे पहले दोनों खिलाड़ी दोहा में आमने-सामने आयी थीं जहां गॉफ ने बाजी मारी थी।

गार्सिया ने जीत के बाद कहा, "यह बहुत ही करीबी मैच था। हर पॉइंट, हर गेम बहुत मुश्किल था। आज मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं कि मैं मुकाबले में अपनी भावनाओं को काबू में रख पाई।" गॉफ भी शानदार फॉर्म में चल रही थीं और उन्होंने क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये चीन की झांग शुआई को हराया था, लेकिन वह गार्सिया की बाधा को पार नहीं कर सकीं। दिन के दूसरे क्वार्टरफाइनल में ट्यूनीशिया की ऑन्स जब्यूर ने ऑस्ट्रेलिया की अजला टॉमलानोविक को 6-4, 7-6 (4) से मात दी।

खचानोव ने किर्गियोस को हराकर सेमीफाइनल में कदम रखा

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। रूस के कारेन खचानोव ने करीबी मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनायी। 27वीं सीड खचानोव ने तीन घंटे 39 मिनट चले क्वार्टरफाइनल में किर्गियोस को 7-5, 4-6, 7-5 6-7(3) 6-4 से हराया। रूसी खिलाड़ी ने जीत के बाद कहा, शुरू से अंत तक यह एक शानदार प्रदर्शन था। मैं वहां अंत तक रहा और अपने मौकों का इंतजार किया। मैंने कुछ मौके बनाये भी। मैं बेहद खुशी, बेहद गौरवान्वित हूं कि मैं मैच को समाप्त कर पाया। मैच पॉइंट के लिये सर्विस करना कभी आसान नहीं होता है। मैं खुश हूं कि मैं ऐसा करके अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बना पाया। छब्बीस वर्षीय खचानोव साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एटीपी लाइव रैंकिंग में 13 पायदान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर आ गये हैं। अगर वह टूर्नामेंट जीतते हैं तो शीर्ष-10 में भी पहुंच सकते हैं। दूसरी ओर, किर्गियोस ने भी ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले एलेक्स डी मिनौर को पछाड़ कर 19वां स्थान हासिल कर लिया है। किर्गियोस ने हार के बाद कहा, बेशक, मैं निराश हूं लेकिन सारा श्रेय कारेन को जाता है। वह एक योद्धा हैं। मेरे अनुसार उन्होंने आज बहुत अच्छी सर्विस की। सच कहूं तो मैंने इस टूर्नामेंट में जिन खिलाड़ियों का सामना किया उनमें शायद यह सर्वश्रेष्ठ सर्विस वाले हैं। खचानोव का सामना सेमीफाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड से होगा, जो गत चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के बाहर होने के बाद एटीपी की शीर्ष रैंकिंग बनने के प्रयास में हैं। रूड ने दिन के पहले क्वार्टरफाइनल में इटली के मैटियो बेरेटेनी को 6-1, 6-4, 7-6(4) से हराया।

लेनी होगी जिम्मेदारी : रोहित

दुबई, 7 सितम्बर। श्रीलंका के हाथों सुपर फोर चरण के मैच में छह विकेट से मिली हार के बाद एशिया कप से बाहर होने की कगार पर खड़ी गत चैम्पियन भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम 10 . 15 रन पीछे रह गई । जीत के लिये 174 रन का लक्ष्य श्रीलंका ने एक गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया । भारत के लिये रोहित (41 गेंद में 72 रन) को छोड़कर कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका । रोहित ने मैच के बाद कहा ," हमें 10 . 15 रन और बनाने चाहिये थे । बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से खेलना होगा और शॉट्स चयन में सतर्क रहना होगा ।" उन्होंने कहा ," यह टीम लंबे समय से अच्छा खेल रही थी । इस तरह की हार से एक टीम के रूप में सीखने को मिलेगा ।" उन्होंने अपने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा ," जिस तरह की शुरूआत श्रीलंका ने की थी , हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया । स्पिनरों ने काफी आक्रामक गेंदबाजी की लेकिन श्रीलंका ने दबाव का बखूबी सामना किया ।" श्रीलंका के कप्तान और 'प्लेयर आफ द मैच' दासुन शनाका ने कहा ," ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास जबर्दस्त है । दिलशान और तीक्षणा ने बेहतरीन गेंदबाजी की । पहले मैच के बाद अपनी गलतियों से सबक लेकर खेला ।" उन्होंने कहा ," पाथुम और कुसल ने टीम को अच्छी शुरूआत की जिसे मैने और राजपक्षा ने आगे बढ़ाया ।

राजधानी

गहलोत, आचार्य प्रमोद व संयम लोढ़ा ने जन्मदिन पर सचिन पायलट को बधाई दी

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन से 1 दिन पूर्व जहां जयपुर में पूरे राजस्थान से आए उनके समर्थकों का जमावड़ा रहा और उन्होंने अपने नेता को जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी। वहीं जन्मदिन 7 सितंबर बुधवार को बड़ी संख्या में पक्ष- विपक्ष के नेताओं की ओर से बधाइयों का सिलसिला जारी रहा। इस सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया के भारत में हाई कमिश्नर बैरी ओ फॉरेल से लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और हमेशा कटाक्ष की भाषा बोलने वाले मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने बधाइयां दी। प्रियंका गांधी के नजदीकी और हमेशा ही सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी करने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णन ने लिखा है कि "भावी मुख्यमंत्री को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें..... जय श्री कल्कि, जय जय परशुराम।"

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को बधाई देते हुए लिखा "मैं आपके सुखी और लंबे स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।" राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन ने लिखा "सचिन पायलट को जन्मदिन के अवसर पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। आपके सफल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं।"

विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने पायलट को बधाई देते हुए लिखा "टोंक विधायक व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।" राज्य के पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा ने लिखा "पूर्व उप-मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं टोंक विधायक सचिन पायलट को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।" खेल और युवा मामलों के मंत्री अशोक चांदना ने बधाई में कहा "राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं। बाबा भोलेनाथ से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।" वहीं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने लिखा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और राजस्थान के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिन के अवसर पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।

■ **आचार्य प्रमोद कृष्णन ने लिखा "भावी मुख्यमंत्री को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें...जय श्री कल्कि, जय जय परशुराम"**

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने लिखा कि राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। मुख्यमंत्री के सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने सचिन पायलट को जन्मदिन पर बधाई देते हुए लिखा "आप हमेशा यूं ही मुस्कुराते रहें।"

राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बधाई देते हुए लिखा "पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान कांग्रेस, सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।"

इनके अलावा शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, कांग्रेस के पूर्व सांसद नवीन जिंदल, राजस्थान भाजपा विधायक दल के उप नेता राजेंद्र राठौड़, विधायक रामलाल शर्मा सहित राजस्थान के अनेक विधायकों, बोर्ड निगमों के अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने भी सचिन पायलट जन्मदिन पर बधाइयां दी है।

पायलट के जन्मदिन पर प्रदेश भर में हुए कई कार्यक्रम

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन के मौके पर बुधवार को भी राजस्थान भर में अनेक स्थानों पर वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर और गरीबों को भोजन कराने के कार्यक्रम आयोजित किए गए। पायलट के जन्मदिन के मौके पर 45 पेड़ लगाए गए। अग्रवाल महासभा की चेयरपर्सन शशि गुप्ता की ओर से विद्याधर नगर के विभिन्न पार्कों में रखे गए वृक्षारोपण कार्यक्रम में अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, जिला अध्यक्ष किशन अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, बेबीजी, दया देवी, सविता देवी, प्रेमदेवी ने मिलकर 45 पेड़ लगाए। पायलट के जन्मदिन के मौके पर जयपुर के राजा पार्क स्थित पंचवटी सर्किल के पास सचिन पायलट समर्थकों की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया। जयपुर में ही प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव सुरेश मिश्रा की ओर से जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सचिन पायलट के जन्मदिन के मौके पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

■ **जयपुर, जालौर, धौलपुर, हनुमानगढ़ सहित कई विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे दिन भी हुए पायलट के जन्मदिन के कार्यक्रम**

जालोर शहर में पायलट के 45वें जन्मदिवस पर पायलट के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना के साथ कार्यकर्ताओं ने केक काटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। नगर परिषद पार्षद बसंत सुथारने बताया कि आज जालोर में युवाओ के प्रेरणास्त्रोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिवस के अवसर पर तीन इंदिरा रसोई में जनता के लिए विशेष मैन उसके साथ में निशुल्क भोजन की व्यवस्था रखी गई जिसमें सैकड़ों लोगों ने भोजन किया। वहीं पायलट का 45 वां जन्मदिवस 7 सितंबर बुधवार को धौलपुर में भी मनाया गया। जहां पर कार्यकर्ताओं के निजी पार्कों में धौलपुर जिला महिला कांग्रेस, सेवादल, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण किया।

अन्याय के खिलाफ किसान आवाज उठायें : चन्द्रशेखर

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं प्रदेश स्तरीय बैठक में मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, सोशल मीडिया प्रदेश टीम एवं सोशल मीडिया जिला प्रभारी उपस्थित रहें।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने मोर्चे के प्रत्येक पदाधिकारियों से आ ान किया कि वह अपने-अपने ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ, किसान विरोधी इस कांठोस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय एवं अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठायें। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में कांठोस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जमाफी का इंतजार कर रहा है। काग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी। साथ ही बिजली कटौती करके किसानों के साथ में धोखा किया। ऐसी निकम्मी सरकार को आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान सबक सिखाएगा।

■ **कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जिसका किसान आज भी कर रहा इंतजारः हरिराम रणवां**

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया एवं उन्होंने कहा कि कांठोस सरकार के समय कृषि बजट 25 हजार करोड़ का था, जिसे केन्द्र की मोदी सरकार ने 1 लाख करोड़ का बढ़ाया दिया, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया।

भगवान भरोसे प्रदेश का गोवंश : डॉ. पूनियां

जयपुर। राजस्थान प्रदेश के जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जालोर, सिरोही सहित समस्त जिलों में लम्पी संक्रमण गायों व अन्य पशुओं में तेजी से फैल रहा है, जिससे लाखों गायों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक गोवंश संक्रमित है, ऐसे में राज्य सरकार के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गायों को भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गायों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गायों के वैक्सीनेशन पर ध्यान दे रही है, ऐसे में लाखों गाय काल कवलित हो चुकी हैं, जिनके शवों के निस्तारण के लिए गहलोत सरकार जमीन भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है।

खुले में मृत गायों से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में संक्रमण फैलने के गम्भीर हालात हैं, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश के गोवंश को बचाने के लिए दवाई, वैक्सीनेशन और ईलाज उपलब्ध कराने के प्रति संवेदनहीन बने हुए हैं।

प्रदेश में 193 नए करोना संक्रमित मिले बुधवार को

पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 34 नए संक्रमित अलवर में मिले, जबकि जयपुर में 31 रोगी पाए गए हैं

जयपुर। प्रदेश में थोड़े बहुत उतार-चढ़ाव के बीच बुधवार को 193 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इस बीच राज्य में नए मरीजों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर साढ़े सत्रह सौ के करीब आ गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को थोड़ी वृद्धि के बाद 193 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 111 मरीज पाए गए थे। इधर राज्य में सबसे ज्यादा 34 नए मरीज अलवर जिले में मिले हैं। वहीं राजधानी जयपुर में 31 संक्रमित सामने आए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 25, राजसमंद में 23, चित्तौड़गढ़ में 14, सीकर व दौसा में 9-9, कोटा में 8, सवाई माधोपुर व उदयपुर में 7-7, नागौर में 5, जैसलमेर में 4, भरतपुर, प्रतापगढ़ व झालावाड़ में 3-3, अजमेर, बीकानेर व हनुमानगढ़ में 2-2 तथा बारां और पाली में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच जांच के लिए 16 हजार 544 सैम्पल लिए गए।

■ **राज्य में लगातार रिकवरी बेहतर होने से एक्टिव केस घटकर साढ़े सत्रह सौ के करीब आ गए हैं।**

प्रदेश में बुधवार को 227 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 1755 रह गए हैं। जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 47 मरीजों के रिकवर होने से 505 एक्टिव केस रह गए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 169 और अलवर में 146 लोगों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9628 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 18 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 नए संक्रमित जगतपुरा में मिले हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 3, गांधी नगर, मानसरोवर व सांगानेर में 2-2 तथा अजमेर रोड, दूदू, दुर्गापुरा, जामडोली, जवाहर नगर, झोटवाड़ा,कोटपूतली, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, सोड़ाला और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 4 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

जलापूर्ति के लिए 52.30 करोड़ की स्वीकृति

जयपुर, (कासं)। बांसवाड़ा के बागीदौरा विधानसभा स्थित जनजाति क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले 7000 से अधिक निवासियों को अब आसानी से पेयजल उपलब्ध होगा। यहां की कृषि योग्य लगभग 1410.63 हैक्टेयर भूमि पर फव्वारा पद्धति से सिंचाई करना भी आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सिंचाई व पेयजल जलापूर्ति के लिए जलदा माईनर लिफ्ट योजना हेतु 52.30 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है।

गहलोत की इस वित्तीय स्वीकृति से बोडीगामा, पाटन, जलदा, पटेलिया एवं हमीरपुरा गांवों के निवासी लाभान्वित होंगे। योजना के लिए अरथूना वितरिका के आरडी 1.92 कि.मी. से पानी लिया जाएगा। इसमें जलदा की 415.88 हैक्टेयर, बोडीगामा की 365.63 हैक्टेयर, हमीरपुरा की 259.21 हैक्टेयर, पाटन की 169.85 हैक्टेयर, पटेलिया की 200.06 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा।

गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की फैक्ट्री पर आयकर विभाग की रेड

कोटपूतली के पाथरेड़ी स्थित राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकिंग लिमिटेड फैक्ट्री का मामला

- आई.टी. विभाग की टीम सुबह करीब 8 बजे फैक्ट्री पहुंची और दस्तावेज खंगालने में जुटी।
- इस कार्रवाई के बाद प्रदेश में सियासी हलचल बढ़ गई।
- गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि, करीब 50 सालों से उनका परिवार कारोबार से जुड़ा है, उन्होंने कार्रवाई को राजनीति द्वेष से प्रेरित बताया।

जयपुर, 7 सितम्बर (का.प्र.)। बुधवार सुबह आयकर विभाग की कई टीमों ने देश के चार राज्यों में एक साथ छापेमारी की कार्यवाही को अंजाम दिया और यह कार्यवाही देर शाम तक जारी थी। आयकर विभाग की टीमों ने राजस्थान दिल्ली, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में एक साथ छापेमारी की कार्यवाही की है। इस कार्यवाही के तहत राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव के कई ठिकानों पर भी आयकर विभाग की टीमों ने एक साथ रेड की। बताया जाता है कि यह छापेमारी मिड-डे मील की सप्लाई में गड़बड़ी को लेकर हुई है।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव सहित उनके कई रिश्तेदारों के यहां आयकर विभाग की कार्यवाही एक साथ शुरू हुई। मंत्री के जयपुर स्थित, सिविल लाइन्स के सरकारी आवास, मालवीय नगर स्थित निजी आवास और उनके रिश्तेदारों के यहां सुबह से ही टीमें सर्च में जुट गईं। हालांकि आयकर विभाग की इस कार्यवाही को लेकर मंत्री राजेंद्र यादव का कहना है कि, हमारा मिड डे मील से कोई लेना देना नहीं है।

आयकर विभाग की यह कार्यवाही मंत्री और उनके रिश्तेदारों की कोटपूतली स्थित कंपनी, राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकिंग फैक्ट्री सहित अन्य ठिकानों पर हुई है। गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव इस कंपनी के डायरेक्टर हैं, तो उनका बड़ा बेटा मधुर यादव प्रबंधक है।

बुधवार को सुबह 5.30 बजे मंत्री राजेंद्र यादव और उनके रिश्तेदारों के जयपुर और कोटपूतली स्थित 50 से ज्यादा ठिकानों पर विभाग के अधिकारी पहुंचे उनके साथ बड़ी संख्या में सी.आर.पी.एफ. के जवान थे। यादव कोटपूतली से दूसरी बार कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने हैं। कोटपूतली में उनके रिश्तेदारों की एक फैक्ट्री पर भी छापा मारा गया है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में मिड-डे मील सप्लाई के लिए कट्टे बनाए जाते हैं। आयकर विभाग की ओर कार्रवाई में लगभग 100 वाहनों का भी इस्तेमाल किया गया है। आयकर विभाग की टीमों ने जयपुर में मंत्री के बेटों के घर सहित उनके उत्तराखंड, गुड़गांव स्थित व्यवसायिक और आवासीय ठिकानों पर छापा मारा।

जयपुर में राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव के सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास और बनीपार्क के निजी आवास सहित मालवीय नगर के ऑफिस में भी इनकम टैक्स के अधिकारी पहुंचे। सूत्रों ने बताया है कि मिड-डे मिल और पौष्टिक आहार बनाने वाले निर्माता, सप्लाई करने वालों, उनके सहयोगियों और परिचितों के यहां रेड की जा रही है। कोटपूतली के पाथरेड़ी स्थित राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकिंग लिमिटेड फैक्ट्री पर भी आयकर विभाग के करीब 10 से 15 अधिकारियों व सीआरपीएफ के जवानों की टीम ने सुबह करीब 8 बजे पहुंच कर रेड की कार्यवाही शुरू की। जहां कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री में बाहरी लोगों सहित मीडिया का प्रवेश भी बंद कर दिया गया। कार्रवाही के बाद प्रदेश में सियासी हलचल भी बढ़ गई है और अफवाहों का बाजार गर्म है।

गृह राज्यमंत्री यादव ने मीडिया से हुई बातचीत में कहा कि वे राजनीति में आने से पूर्व से व्यापार कर रहे हैं। करीब 50 सालों से उनका परिवार कारोबार से जुड़ा हुआ है। आईटी की कार्यवाही को लेकर उन्होंने कहा कि आयकर विभाग का हम पूरा सहयोग करेंगे। यदि आईटी टीम को जांच के दौरान कोई गलत चीज लगती है तो हम उसका जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के बाद दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा। यादव ने आरोप लगाया कि राजनीतिक द्वेष से प्रेरित होकर यह कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि पाथरेड़ी स्थित उक्त फैक्ट्री में केवल प्लास्टिक के कट्टे बनाए जाते हैं जो विभिन्न पैकिंग से जुड़ी फर्मों को सप्लाई किए जाते हैं।

यादव ने कहा कि इनकम टैक्स जांच करे, इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। कभी कोई गलत काम नहीं किया, हमने साफ सुथरा काम किया है। इसी के साथ यादव ने कहा कि आयकर की कारवाई में कोई राजनीतिक दुर्भावना होगी, तो वह भी सामने आ जाएगी। आयकर विभाग की कार्यवाही को पॉलिटिकल फंडिंग से जोड़ने पर यादव ने कहा कि पॉलिटिकल फंडिंग से नाम जोड़ना गलत है। हमारा पैकेजिंग का काम है। मिड डे मील से हमारा कोई संबंध नहीं है। हम कट्टे और पैकेजिंग समान बनाते हैं। यहां से कट्टे जाने के बाद उसमें कोई क्या भरता है, इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं।

नीतीश एवं शरद पवार

नयी दिल्ली, 7 सितम्बर (वार्ता)। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यू) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने राजधानी के अपने प्रवास के दौरान विपक्षी नेताओं के संपर्क अभियान के क्रम में बुधवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार से मुलाकात की और अगले आम चुनाव से पहले विपक्ष की एकजुटता की संभावनाओं पर चर्चा की। कुमार दिल्ली में पवार के निवास पर गये और वहां करीब 45 मिनट रहे। बैठक के बाद कुमार ने कहा कि विपक्ष मिलकर चुनाव लड़ेगा तो देश के लिए अच्छा रहेगा।

बंधुआ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोर देकर कहा कि देश में बंधुआ मजदूर के बहाने एक रैकिट चल रहा है। बैंच ने कई पहलुओं पर सरकार की विस्तृत प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि "सरकार जरूरी होने पर कानून के अंतर्गत उपचारात्मक कदम उठाएगी।"

जस्टिस गुप्ता ने बड़ी रूखाई से कहा कि कथित बंधुआ मजदूर वास्तव में बंधुआ नहीं हैं, वे काम के बदले धन लेते हैं लेकिन उसे बीच में छोड़ देते हैं।

उन्होंने टिप्पणी की "उन्हें ईंट भट्टे वाले काम पर रखते हैं। ये लोग पिछड़े क्षेत्रों के हैं। वे पैसा लेकर खा जाते हैं और काम बीच में छोड़ देते हैं। यह एक रैकिट है। ये मजदूर बंधुआ मजदूरों के नाम पर लाभ उठाते हैं।"

'मक्खन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और देश को संगठित रख सकते हैं।

कांग्रेस में यह मज़ाक चल रहा है कि कन्याकुमारी तथा आस-पास के इलाकों में अमूल बटर खत्म हो गया है क्योंकि उन्होंने राहुल गांधी पर भर-भर कर मक्खन लगा दिया है।

गहलोत का एजेण्डा साफ और सीधा है। अगर राहुल कांग्रेस अध्यक्ष बन जाते हैं तो गहलोत के लिये अच्छा रहेगा क्योंकि वे राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। और अगर गहलोत पार्टी अध्यक्ष बना दिये जाते हैं तो भी वे राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रहना चाहेंगे। यह उनकी पहली एवं अंतिम प्राथमिकता है और इसे हासिल करने के लिये, राहुल गांधी को अमूल मक्खन लगाया जा रहा है।

यह ड्रामा सोनिया गांधी के वापस आ जाने के बाद शुरू होगा, तथा जब जो कुछ गहलोत चाहते हैं, उसे पाने के लिये वे संभवत: एडी-चोटी का जोर लगा देंगे तथा अपने मन्तव्य एवं एजेण्डा को आगे बढ़ाने के लिये गांधी परिवार के प्रति अपनी नज़दीकी का लाभ लेना चाहेंगे। जो भी है, वे यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि सचिन पायलट मुख्यमंत्री की कुर्सी प्राप्त नहीं कर सकें।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि राहुल ने इस बिन्दु पर बड़ा सख्त रूख इख्तियार कर लिया है कि उनके परिवार का कोई भी व्यक्ति कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेगा तथा माँ सोनिया को भी यह बात माननी ही होगी।

अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये राहुल गांधी की पसंद हैं और वे ऐसा होते हुआ देखने के लिये वे जी-जान से लगे हुये हैं। राहुल गांधी चाहते हैं कि गांधी परिवार पार्टी नेतृत्व से अवकाश ले, तथा इस प्रक्रिया में वे अशोक गहलोत की राजस्थान से विदाई का उपयोग सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाने के लिये कर सकें, और गहलोत राहुल की इस योजना को पूरा न होने देने में बुरी तरह जुटे हुये हैं।

भाजपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कमल के खिलने की कोई खास गुंजाइश दिखाई नहीं दे रही। इन विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा हिन्दुत्व से जुड़े मुद्दे जितना ज्यादा जोर-शोर से उठायेगी, उसके लिये मतदाताओं को बड़ी संख्या में प्रभावित करने की गुंजाइश उतनी ही कम होती जायेगी, क्योंकि तमिलनाडु के मतदाता जातिगत सोच एवं लिहाज तथा पार्टी के साथ मजबूत जुड़ावों से ज्यादा प्रभावित होते रहे हैं। यह बात सही हो या गलत, लेकिन भाजपा को एक ऐसी पार्टी के रूप में देखा जाता है जो ब्राह्मण एजेण्डा को आगे बढ़ाती है तथा यह चीज अन्य जातियों के लोगों को उससे दूर कर देती है।

अखिलेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केशव प्रसाद मौर्य को मुख्यमंत्री बनाये जाने की अविश्वसनीय पेशकश कर दी है।

विपक्ष को एकजुट करने के अपने मिशन को जारी रखते हुये, बिहार के मुख्यमंत्री ने आज एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार तथा शरद यादव के साथ भी मीटिंग कीं। इसके अलावा, उन्होंने इस समय अस्वस्थ चल रहे सपा-संस्थापक मुलायम सिंह यादव से भी भेंट की। अखिलेश यादव ने मंगलवार को यह पेशकश कर दी कि अगर केशव प्रसाद मौर्य 100 विधायकों को साथ लेकर भाजपा से संबंध-विच्छेद कर लें तो वे मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी के लिये मौर्य का समर्थन कर देंगे। यह प्रस्ताव रखते हुये, अखिलेश उत्तर प्रदेश भाजपा में अंदरूनी लड़ाई की स्थिति पैदा करने की रूपरेखा बना रहे हैं।

रूस/चीन व अमेरिका के तनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुखपत्र बन गया है जो कि यूक्रेन वॉर पर पुतिन का पक्ष ही प्रस्तुत करता है।

बीजिंग विंटर ओलम्पिक्स से पहले और पुतिन द्वारा यूक्रेन में रुस की सैन्य घुसपैठ की अनुमति से पूर्व शी एवं पुतिन बीजिंग में मिले थे तथा दोनों ने दोनों देशों के बीच "लिमिटलैस" (असीमित) दोस्ती की घोषणा की गई थी।

भारत इन दोनों मित्रों के बीच फंस गया है बिल्कुल "एलिस इन वंडरलैंड" की तरह भारत को भी रुस और पश्चिम के साथ संबंधों में संतुलन बनाना है, चीन के साथ बढ़ते टकराव के संदर्भ में।

जहां भारत के रुस के साथ अच्छे सम्बंध हैं लेकिन चीन भारत से लगती सीमा पर समस्याएं खड़ी करता रहता है।

- अब तक तो भारत चीन/रूस व अमेरिका के तनावों के बीच बहुत चतुराई से अपना काम चलाता रहा है, पर चीन/रूस और आक्रामक हुए, तो यह संतुलन बिठाना और कठिन हो जायेगा।

ऐसे ही एक सैन्य टकराव में भारत के 21 जवान शहीद हो गए थे।

दोनों निरंकुश तंत्र रुस और चीन एक साथ आ गए हैं और दोनों के हित एक जैसे हैं क्योंकि दोनों ही स्थापित कूटनीतिक प्रक्रिया को दरकिनार कर रहे हैं और सैन्य हस्तक्षेप से समस्याएं सुलझाना चाहते हैं। जहां रुस ने यूक्रेन में घुसपैठ की है वहीं चीन भी ताईवान को ताकत के बल पर कब्जा करने की धमकी दे रहा है।

इसके अलावा चीन दक्षिण चीन सागर के बड़े हिस्से पर भी दावा कर रहा है और इस क्षेत्र को अन्तर्राष्ट्रीय शिपिंग चैनल के रुप में प्रयुक्त करने से रोक रहा है, जहां से वैश्विक व्यापार होता है।

इससे भी बुरी बात है कि चीन सीमा पर भी तनाव पैदा कर रहा है और सीमा पर स्थित कई क्षेत्रों को अपना बता रहा है। चीन हिंद महासागर में अपने बेस बनाकर भारत को घेर रहा है। इसने हॉर्न ऑफ अफ्रीका में नौसैनिक बेस बनाया है। जहां से यह हिंद महासागर में शक्ति प्रदर्शन कर सकता है। इसके अलावा चीन ने श्रीलंका में भी एक प्रमुख बंदरगाह "हम्बनटोटा" पर कब्जा कर लिया है, जहां हाल ही में इसने कथित तौर पर एक रिसर्च नौका भेजी थी जो भारतीय सैटेलाइट को ट्रैक कर सकती है।चीन के साथ इस टकराव पूर्ण रिश्ते में भारत ने अमेरिका से काफी सहयोग व समर्थन लिया है इसने भारत तो उसके पारम्परिक मित्र रूस से दूर कर दिया है। रूस और अमेरिका के बढ़ते टकराव के बाद भी भारत ने दोनों देशों के बीच चतुराई से संतुलन बनाया है। भारत ने पश्चिम के प्रतिबंधों को ठुकरा कर रूस से तेल खरीदना जारी रखा साथ ही चीन के साथ लगती सीमा पर तैनात करने के लिए अमेरिका से हथियार खरीदे।

आयकर विभाग ने गैर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावी पैनल ने यह भी घोषणा की थी कि वह 21 सौ से अधिक ऐसी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, जिन्हें धन के अंशदानों की प्रतिष्ठियां करने सहित चुनाव के नियम-कायदों का उल्लंघन करने के कारण पंजीकृत किन्तु गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन संस्थाओं ने अपने कार्यालयों के पते और पदाधिकारियों के नाम तक अपडेट नहीं किए हैं। उसने कहा था कि इनमें से कुछ पार्टियां "गंभीर" वित्तीय अनियमितताओं में संलग्न हैं।

चुनावी पैनल के अनुसार उसने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की। इन अधिकारियों ने रिपोर्ट दी थी कि सत्यापन के दौरान इन पार्टियों को या तो अस्तित्वहीन पाया गया था जब उनके पते और संवाद के विवरणों के सत्यापन के लिए संबंधित प्राधिकरण द्वारा उन्हें पत्र भेजे गए तो वे पुन: लौट आए। डाक विभाग ने भी इन पत्रों को अनडिलीवर्ड माना है। चुनाव आयोग ने इसके बाद इन पार्टियों को सिम्बल्स ऑर्डर (1968) के अन्तर्गत मिले कई लाभों को वापस लेने का निर्णय लिया। इन लाभों में कॉमन इलैकशन सिम्बल का आवंटन भी शामिल है। गत जून माह में जारी एक बयान में चुनावी पैनल ने कहा था कि निर्णय से व्यथित कोईभी रजिस्टर्ड अनरिकग्नाईज़ड पॉलीटिकल पार्टी (आर.यू.पी.पी.) 30 दिनों के भीतर संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो सकती है, लेकिन उसे अपने साथ अपने अस्तित्व के सभी प्रमाण, वार्षिक ऑडिट अकाउन्ट्स, अंशदान एवं व्यय रिपोर्ट और पदाधिकारियों की अपडेट लिस्ट लानी होगी।

चुनावी पैनल के सूत्रों ने कहा था कि ऐसी पार्टियों के विक्षेप विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं जिन्होंने फण्ड्स और डोनेशन्स का खुलासा करने में नियम कानूनों का उल्लंघन किया है।

चुनाव आयोग ने गंभीर वित्तीय अनियमितताओं में शामिल ऐसी तीन पार्टियों के विरूद्ध आवश्यक कानूनी व आपराधिक कार्रवाही करने के लिए बाद में राजस्व विभाग को एक रेफरेंस भेजा। राजस्व विभाग केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन कार्यरत हैं।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

"प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने बेहतर सुरक्षा कवर देकर जोखिम कम किया है, जिसका लाभ करोड़ों किसानों को मिला है। इस योजना ने दावा भुगतान में पारदर्शिता को बढ़ावा देकर किसानों में एक नया विश्वास जगाया है।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सुरक्षा की सौगात

फसल बीमा पॉलिसी

अब आपके हाथ

योजना एक, लाभ अनेक

- भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में
- पंजीकरण के लिए 12 भाषाओं में एनसीआई पोर्टल एवं क्रॉप इन्शुरन्स ऐप
- पैदावार के बेहतर अनुमान के लिए आधुनिक तकनीक
- किसानों की सुविधा के लिए घर-घर पॉलिसी वितरण

योजना के 7 साल - बन रही एक नई मिसाल

- हर साल 5.5 करोड़ से अधिक किसान योजना से जुड़ रहे हैं

कृषि रक्षक

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ

देशभर में किसानों को अब तक 1.22 लाख करोड़ रु. बीमा दावों के रूप में दिए गए, आप भी अपनी रबी फसलों का बीमा ज़रूर कराएं

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - किसान कॉल सेंटर 1800 -180-1551

pmfby PMFasalBimaYojana pmfasalbimayojana

क्यूआर कोड स्कैन करें

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908